गुरुज्ञान
कठिन समय में समझदार व्यक्ति रास्ता खोजता है, और कायर बहाना !!

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 10 अंक 57

जबलपुर, बुधवार 26 मार्च 2025

tripuritimes@gmail.com

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

07

यह बजट सरकारी लेखा-जोखा नहीं बेहाल दिल्ली को विकसित करने का बजट

सीएम रेखा गुप्ता ने बीजेपी सरकार का एक लाख करोड़ का पहला बजट किया पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,00,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह 27 सालों में दिल्ली में बीजेपी सरकार द्वारा प्रस्तुत किया पहला बजट है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपना बजट भाषण शुरू करते हुए कहा कि एक ऐतिहासिक दिन है। यह साधारण बजट नहीं हैं। दिल्ली की नई सरकार जो ऐतिहासिक जनादेश के साथ सत्ता में आई है, वह अपना पहला बजट पेश कर रही है। पूरा देश आज दिल्ली का बजट देखना चाहता है। ये केवल सरकारी लेखा-जोखा नहीं है बल्कि 10 साल से बेहाल दिल्ली को विकसित बनाने का बजट है। बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और प्रदूषण नियंत्रण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने बजट के लिए जनता से सुझाव मांगे थे, जिसमें ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए 10 हजार से ज्यादा सुझाव आए।

सीएम गुप्ता ने जेजे कॉलोनी झुग्गी बस्तियों का विकास के विकास के लिए 696 करोड़ रुश्पए आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 20 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं इसके आलावा सरकार 100 स्थानों पर अटल कैंटीन खोलेगी जिसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 50 हजार अतिरिक्त सीसीटीवी लगाए जाएंगे। दिल्ली के सड़क परिवहन और बुनियादी ढांचे के विकास और एनसीआर के साथ कनेक्टिविटी पर एक हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

पेश बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ ही 10 फोकस एरिया को चिह्नित किया गया है। इसमें बिजली, पानी, और सड़क का विकास का शामिल है। सीएम रेखा ने कहा कि 2025-26 के बजट में इंफ्रा प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली सरकार ने एक हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली को नया रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीएम ने कहा कि दिल्ली के बुनियादी ढांचे को हमारी सरकार मजबूत करके राष्ट्रीय राजधानी के तेज विकास की रफ्तार सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि 28 हजार करोड़ के पूंजीगत व्यय से बीजेपी सरकार दिल्ली में सड़क, पुल, जल निकासी, ट्रांसपोर्ट और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में व्यापक सुधार कराएगी। यह बजट दिल्ली को एक स्मार्ट और आधुनिक शहर में बदलने की दिशा में मजबूत कदम है।

दिल्ली सरकार के बजट में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए 2,144 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। इसके तहत दिल्ली में पात्र लोगों को 10 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज दिया जाएगा, इसमें 5 लाख रुपए केंद्र सरकार और 5 लाख रुपए दिल्ली सरकार देगी। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने बजट भाषण में दिल्ली की महिलाओं के लिए महत्वकांक्षी योजना का ऐलान किया है। उन्होंने सदन को बताया कि महिला समृद्धि योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। बता दें कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में दिल्ली के महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

सीएम रेखा ने कहा कि पिछली सरकार में सड़कों पर बहता सीवर का पानी दिल्ली की पहचान बन चुकी थी। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि यकीन हो तो कोई रास्ता निकलता है, हवा की ओट लेकर भी दिया जलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी सरकार ने अपने बजट में आम आदमी पार्टी की सरकार के 15000 करोड़ रुपए की तुलना में 28000 करोड़ रुपए कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए आवंटित किया है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि पहली बार दिल्ली के इतिहास में ऐसा हुआ कि 2024 25 में बजट घटा। इस बार दिल्ली सरकार का बजट एक लाख करोड़ का है। पिछले साल की तुलना में 31.5 ज्यादा बजट है। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय पिछली सरकार में देश की तुलना में कम गति से बढ़ी। आप सरकार की इच्छा शक्ति काफी कम थी, वह ना खर्च कर पाई और ना लोगों की आय बढ़ा पाई। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में विकास के हर पैमाने पर दिल्ली फिसलती गई। यमुना की सफाई, स्वास्थ्य सुविधाओं और वायु प्रदूषण खत्म करने के लिए कोई काम नहीं हुआ। पिछली सरकार की नीतियों की वजह से जनता परेशान होती रही।

दिल्ली में बुखार से मचा हाहाकार, 14 दिन लगते हैं ठीक होने में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों एक अजीब तरह का बुखार तेजी से फैल रहा है, जिसे डॉक्टर वायरल फीवर मान रहे हैं। लेकिन इस बार यह बुखार तीन-चार दिन में ठीक होने के बजाय 14 से 15 दिनों तक बना रहता है और मरीजों को पूरी तरह रिकवर होने में करीब 20 दिन का समय लग रहा है। इसके लक्षण भी सामान्य वायरल से ज्यादा गंभीर हैं– सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, कमजोरी, शरीर में कंपन, कमर दर्द, जुकाम और खांसी। इस लंबे चलने वाले बुखार से लोग बेहद परेशान हैं।जानकारों के मुताबिक इस बार वायरल फीवर का एक नया रूप देखने को मिल रहा है। यह वायरल फीवर ही है लेकिन इसके लक्षण इस बार बेहद गंभीर हैं। जैसे यह बुखार लंबा चल रहा है। लोगों को कमजोर कर दे रहा है। उनकी ओपीडी में कई ऐसे मरीज आ रहे हैं जो 14 दिन तक भी इस बुखार से पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाए हैं।

तीसरे दिन भी कठुआ में आतंकियों को तलाश रहे सुरक्षाकर्मी, गोला-बारूद मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में छिपे हुए आतंकवादियों के खिलाफ चल रहा अभियान मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी है। राइजिंग स्टार कॉर्प्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर जब्त हथियारों की तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, अभियान जारी है। अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। संयुक्त बलों द्वारा यह अभियान तब शुरू किया गया जब एक स्थानीय महिला अनीता देवी और उनके पति गणेश कुमार ने आतंकवादियों को उस समय देखा जब वे जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने गए थे। इस इनपुट के आधार पर संयुक्त बलों ने कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में इंटरनेशनल ब्यूरो के पास सान्याल गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने कहा, सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सहित संयुक्त बलों ने छिपे हुए आतंकवादियों की तलाश शुरू की। आतंकियों ने जब खुद को घिरा देखा तो सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। रविवार शाम सात बजे के बाद से मंगलवार सुबह तक छिपे हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एक भी गोलीबारी नहीं हुई, जिसके बाद संयुक्त बलों ने कहा कि घेरे गए क्षेत्र के अंदर से फिर से कुछ गोलियों की आवाज सुनी गई। अधिकारियों ने बताया, पूरे वन क्षेत्र को घेर लिया गया है, जहां तीन से पांच आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है। भारत और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा इस जिले में स्थित है और अतीत में भी आतंकवादी सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने का प्रयास कर चुके हैं।\ अधिकारियों ने सोमवार को बताया था कि हीरानगर के सान्याल इलाके में फिर से गोलीबारी की आवाज सुनी गई, यहीं 23 मार्च शाम को सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, सोमवार को घटनास्थल से गोला-बारूद बरामद किया गया, इलाके की अभी भी घेराबंदी की गई है। सेना के एक बयान में कहा गया कि 23 मार्च को सान्याल में जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना की राइजिंग स्टार कोर द्वारा संयुक्त अभियान के दौरान युद्ध सामग्री बरामद की गई। रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के दौरान सात साल की बच्ची घायल हो गई थी। उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी हालत स्थिर बताई। डीजीपी नलिन प्रभात, आईजीपी (जम्मू) भीम सेन टूटी के साथ हीरानगर तहसील के सान्याल गांव में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ अभियान की निगरानी के लिए रविवार शाम को ऑपरेशन स्थल पर पहुंचे। सान्याल गांव पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से महज चार किमी दूर है।

चीफ इंजीनियर की मौत की जांच सीबीआई से कराने पर पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के चीफ इंजीनियर की मौत की सीबीआई जांच करवाने की मांग को लेकर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर के बीच तीखी बहस हो गई। सीएम सुक्खू ने कहा कि उच्च स्तरीय जांच में दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सुक्खू ने आरोप लगाया कि सीबीआई और ईडी बीजेपी के हाथों में हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए इन एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। वहीं सीएम सुक्खू की टिप्पणी से नाराज बीजेपी के सदस्यों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउठ कर दिया। बता दें चीफ इंजीनियर विमल नेगी 10 मार्च को लापता हो गए थे और 18 मार्च को बिलासपुर में उनका शव मिला था। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि यह आत्महत्या नहीं हत्या है। इस बीच प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोमवार को विधानसभा में कहा था कि केंद्र को हिमाचल प्रदेश में हवाई अड्डे और रेलवे ट्रैक निर्माण पर विचार करना चाहिए। बिलासपुर से बीजेपी विधायक त्रिलोक जामवाल के भानुपली-बिलासपुर रेलवे ट्रैक के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगर केंद्र बिहार में हवाई अड्डे बना सकता है, तो हिमाचल में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता है।

कानपुर के पास बनेगा देश का पहला टेक्सटाइल मशीन पार्क

टेक्सटाइल हब बनाने यूपी सरकार बड़े स्तर पर बना रही रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी को अब टेक्सटाइल हब बनाने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अब इसके लिए बड़े स्तर पर रणनीति तैयारी की है। जानकारी के मुताबिक कानपुर जिले के पास देश का पहले टेक्सटाइल पार्क बनाया जाएगा। ये पार्क 875 एकड़ जमीन पर बनेगा, जिसमें टेक्सटाइल से जुड़ी मशीनों का निर्माण किया जाएगा। लखनऊ के पास पीएम मित्र पार्क समेत प्रदेश के दस जिलों में ऐसे नए टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे, जिससे यूपी में कपड़ा उद्योग को नई ऊंचाई मिलेगी और ये राज्य देश में कपड़ा उत्पादन में अग्रणी देश बनेगा। टेक्सटाइल पार्क में मशीनों के आयात के लिए 40 हजार करोड़ का बजट रखा है, जिससे मशीनें खरीदी जाएंगी। आने वाले चार-पांच सालों में ये बढ़कर चार लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। इन मशीनों को मेक इन इंडिया बनाने के लिए पीपीपी मोड़ पर भोगनीपुर के पास टेक्सटाइल मशीन पार्क बसाया जाएगा। जहां से 30 हजार करोड़ रुपए का निर्यात भी किया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक 2030 तक कपड़ा बाजार 350 अरब डॉलर का होने का अनुमान है। इसके लिए चार लाख करोड़ रुपए की मशीनों की जरूरत होगी। अगले पांच सालों में इसमें दस गुना बढ़ोतरी हो सकती है। इन मशीनों की मेंटेनेंस के लिए तकनीकी एक्सपर्ट की भी जरूरत होगी। इस पार्क में टेक्सटाइल से जुड़ी मशीनों का निर्माण होगा, जिन्हें अभी तक चीन, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, ताइवान और यूरोप से आयात किया जाता है। इन देशों से टेक्सटाइल्स सेक्टर के लिए सर्कुलर नीटिंग मशीन, फ्लैट नीटिंग मशीन, डाइविंग नीटिंग मशीन, प्रिंटिंग मशीन, सिविंग मशीन, पेशेंट गाउन मशीन और टेक्निकल टेक्सटाइल्स मशीनें आती है जो टेक्सटाइल सेक्टर के लिए बेहद जरूरी होती हैं, लेकिन अब इनका निर्माण कानपुर में किया जाएगा। कानपुर में जो टेक्सटाइल पार्क बनाने की तैयारी है उसका प्लांट भोगनीपुर के पास चपरघटा गांव में लगाया जाएगा। इस पार्क में 200 से ज्यादा बड़ी और मध्यम इकाइयां लगाई जाएंगी।

पशुधन से जुड़े हैं देश के दस करोड किसान - राजीव रंजन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि देश में दस करोड़ किसान पशुधन से जुड़े हैं जिनमें सत्तर फीसदी महिलाएं शामिल है जिससे उनको रोजगार और और पोषण मिल रहा है। केन्द्रीय मत्स्य पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह ने प्रश्नकाल के एक दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि देश भर में दस करोड़ किसान पशुधन से जुड़े हैं जिनमें सत्तर प्रतिशत महिलाएं है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आने के बाद दुग्ध के उत्पादन और उत्पादकता में बढोत्तरी हुई है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन से दुग्ध उत्पादन बढाने का काम किया गया गया है। उन्होंने कहा कि जहां 2014-15 में 146.3 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध का उत्पादन होता था वहीं 2023-24 में 293.30 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध का उत्पादन हो गया है जो पहले के मुकाबले 63.5 प्रतिशित की बढोत्तरी है। उन्होने कहा कि अगले तीन वर्षों में 15 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन बढाने का लक्ष्य है। अगले पांच वर्षों में दुग्ध उतपादन को 300 मीलियन मीट्रिक टन का करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री राजीव रंजन सिंह ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि पशुओं के कृत्रिम गभार्धारण के माध्यम से 90 प्रतिशत बछड़िया पैदा हो रही है जिससे दुग्ध उत्पादन में बढोत्तरी हो रही है। कृत्रिम गभार्धारण के लिए मैत्री कार्यकताओं की नियुक्ति की गई है जो किसानों के दरवाजे तक जाकर कृत्रिम गर्भधारण कराने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आईवीएफ तकनीक महंगा है और इसमें एक पशु पर लगभग बीस हजार रुपये का खर्च आता है। इसकी कीमत को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम गर्भधारण कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है हम सीमेन उपलब्ध कराने का काम करते हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि डेयरी विकास कार्यक्रम का हमारे देश में तेजी से प्रगति कर रहा है।

अब वकीलों ने खोला जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। कैश कांड से सुर्खियों में आए दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में किए जाने के सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन उतर आया है। फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है। एसोसिएशन अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट अनिल तिवारी ने अनिश्चित कालीन न्यायिक कार्य से विरत रहने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का हम लोग शुरू से विरोध कर रहे हैं। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को पूरे हिंदुस्तान की हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा है इस मुद्दे पर देश की 22 हाईकोर्टों के बार एसोसिएशन ने समर्थन पत्र भेजा है। इसके अलावा ट्रेड यूनियन ने भी उनकी हड़ताल का समर्थन किया है। तिवारी ने आरोप लगाया है कि बार एसोसिएशन ने जब पहला रिजेल्यूशन पास किया तो सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से कहा गया कि अभी तबादला नहीं किया गया है। इसके अलावा यह भी कहा गया कि उनके तबादले का कैश कांड से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के तबादला आदेश में यह स्पष्ट है कि 20 मार्च के आदेश को सपोर्ट करते हुए को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन को सही जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन कार्यकारिणी ने सर्वमत से यह फैसला लिया है कि वकील मंगलवार से बेमियादी हड़ताल पर जाएंगे।

प्रयागराज में चले बुलडोजर पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई लगाम, तोड़े गए घर फिर से बनेंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी। बुलडोजन एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाम कसकर उन लोगों को राहत दी है जिनके घर तोड़ दिए गए थे। मामला प्रयागराज का है जहां जमीन के हिस्से को गैंगस्टर अतीक अहमद का मानकर राज्य सरकार की तरफ से घरों को ढहा दिया गया था। भारत के शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकताओं को न सिर्फ घर दोबारा बनाने की अनुमति देने का रास्ता दिखाया है, बल्कि राज्य सरकार को कड़े शब्दों में हिदायत दी है। दरअसल, याचिकाकताओं की तरफ से अदालत को बताया गया था कि जमीन के हिस्से को गैंगस्टर अतीक अहमद का मानकर राज्य सरकार की तरफ से घरों को ढहा दिया गया था। इस मामले पर जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच सुनवाई की। बेंच का कहना है कि याचिकाकताओं को ढहाए गए घरों को अपने खर्च पर दोबारा बनाने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें शामिल की गई हैं। जैसे तय समय में अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करनी होगी। अदालत ने कहा कि अगर उनकी

अपील खारिज हो जाती है तो याचिकाकताओं को अपने खर्च पर घरों को ध्वस्त करना होगा। बेंच ने कहा, हम एक आदेश पास करेंगे कि वे अपने खर्च पर घर दोबारा बना सकते हैं और अगर अपील खारिज हो जाती है, तो उन्हें उसे अपने ही खर्च पर ढहाना भी होगा। इस मामले में याचिकाकर्ता एडवोकेट जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद, दो विधवाएं और एक अन्य शख्स था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास में जन्मदिन के शुभ अवसर पर मंगलमय शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वस्थ, सुदीर्घ और सफल जीवन की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सतत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास सभी क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी नीतियों से मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

60 साल के हुए सीएम डॉ मोहन यादव

जन्मदिन पर धोती-कुर्ता में दिखे; कुष्ठ रोगियों के साथ मनाया जन्मदिन, खुद परोसा भोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज 60 साल के हो गए हैं। 25 मार्च 1965 को जन्मे डॉ मोहन यादव का जन्मदिन आज मनाया जा रहा है। सीएम हाउस में सुबह से ही मंत्री, विधायक, बीजेपी के पदाधिकारी जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे।

कुष्ठ रोगियों के बीच मनाया जन्मदिन : सीएम डॉ मोहन यादव ने भोपाल के गांधी नगर में स्थित कुष्ठ आश्रम में जाकर कुष्ठ रोगियों के बीच अपना जन्मदिन मनाया। धोती-कुर्ता पहने हुए सीएम डॉ मोहन यादव ने आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सीएम ने कुष्ठ रोगियों को अपने हाथों से भोजन परोसा।

सरकार हर कष्ट में साथ खड़ी : महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम में सीएम ने मीडिया से चर्चा में कहा, आज का दिन कई अर्थों में हम अलग प्रकार से मना रहे हैं। वैसे तो हमारी हर सांस के साथ जन्म का समय है। लेकिन, दिन और साल के हिसाब से आज मेरा जन्मदिन है। मैंने अपने मित्रों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ में महात्मा गांधी कुष्ठ सेवा धाम में कुष्ठ बंधुओं के साथ जन्मदिन मनाया। सीएम ने कहा, ये बीमारी परमात्मा की न जाने कौन सी लीला है। लेकिन, कष्ट से भागने के बजाय कष्ट से लड़ने के लिए ये कुष्ठ योद्धा के नाते से अपने रोजमर्रा के सारे काम निपटाते हुए अपने आप को भी बचाकर चल रहे हैं।

हमारी सरकार का भी दायित्व है कि

सरकार हर कष्ट में साथ खड़ी दिखाई दे। ऐसे बंधुओं के बीच आकर एक आत्मीय सुख मिलता है। ये ऐसी लाइलाज बीमारी है। लेकिन, ये जरूरी नहीं कि भविष्य की पीढ़ी भी ऐसी हो। ऐसे कई सारे भ्रम मिटाने की जरूरत है।

गौ शाला में जन्मदिन मनाऊंगा : सीएम ने कहा, मैं आगर मालवा की गौशाला में गौमाताओं की सेवा करने जा रहा हूं। उसके बाद सुधीर भाई के आश्रम में जहां ऐसे ही आश्रित और कई प्रकार के कष्ट से ग्रस्त लोग रहते हैं। उनसे मिलूंगा और उनके बीच में जन्मदिन मनाऊंगा।

प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जाना है। इसलिए हमने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किया है। मैं उज्जैन संभाग में 25 इंडस्ट्री का भूमिपूजन करने जा रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि सभी लोगों को साथ लेकर विकास के पथ पर लगातार मप्र आगे बढ़ता रहेगा।

गौ अभयारण्य जाएंगे : सीएम भोपाल से आगर मालवा जिले के सुसनेर में स्थित सालरिया गौ अभ्यारण पहुंचेंगे। सीएम सालरिया में एक वर्षीय गौ कृपा कथा के समापन में शामिल होंगे। इसके बाद सीएम गौ प्रसादम का लोकार्पण करके विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। यहीं पर तुलादान और वृक्षारोपण कार्यक्रम भी रखा गया है। गौ पूजन, कन्या पूजन, यज्ञ के साथ विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमि पूजन और हितलाभ वितरण का कार्यक्रम भी होगा।

सीएम हाउस में काटा केक : मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जन्मदिन के मौके पर सीएम हाउस में केक काटा। इस दौरान उन्हें डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल भी बधाई देने पहुंचे थे। साथ ही मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, जे एन कंसोटिया सहित तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाणपत्र गलत तरीके से बना

कांग्रेस SC विभाग के अध्यक्ष ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोले- राजपूतों में आते हैं बागरी

भोपाल। नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को कांग्रेस ने फर्जी बताया है। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कहा कि प्रतिमा बागरी ने अनुसूचित जाति के आरक्षण का गलत तरीके से लाभ उठाया है। अहिरवार ने कहा कि इस मामले में अनुसूचित जाति कांग्रेस कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार है और अगर राज्य सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराती है, तो पार्टी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

प्रतिमा बागरी पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र का आरोप

प्रदीप अहिरवार ने कहा कि सतना जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र, जहां से प्रतिमा बागरी विधायक हैं, वह अनुसूचित जाति (रउ) के लिए आरक्षित है। लेकिन तथ्य यह है कि बुंदेलखंड, महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में रहने वाले 'बागरी' जाति के लोग मूल रूप से ठाकुर (राजपूत) समुदाय से आते हैं और अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं आते। इसके बावजूद, प्रतिमा बागरी और उनके परिवार ने प्रशासनिक मिलीभगत से फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा और मंत्री पद हासिल कर लिया, जो संविधान और सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ है।

राजपूत-ठाकुर समाज में आते हैं बागरी

प्रदीप अहिरवार ने कहा कि 1961 और 1971 की जाति जनगणना में पन्ना, सतना और सिवनी जिलों में बागरी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल नहीं किया गया था। जाति छानबीन समिति, मध्य प्रदेश के 2003 के निर्णय और 2007 में भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र में स्पष्ट किया गया था कि राजपूत समुदाय के 'बागरी' जाति के लोग अनुसूचित जाति का लाभ नहीं ले सकते। इसके बावजूद, कुछ लोगों ने फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर सरकारी नौकरियों और चुनावी आरक्षण का दुरुपयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिमा बागरी भी इसी प्रक्रिया के तहत गलत तरीके से अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र प्राप्त कर विधायक और मंत्री बनी हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2003 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए थे कि बुंदेलखंड, महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में रहने वाले राजपूत बागरी समाज के लोगों को अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी न किया जाए। इसके बाद, 2007 में भारत सरकार ने भी यह स्पष्ट कर दिया था कि राजपूत-ठाकुर समुदाय के 'बागरी' जाति के लोग अनुसूचित जाति में शामिल नहीं हैं और उन्हें रउ प्रमाण पत्र नहीं दिया जाना चाहिए।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र से आरक्षण नीति का दुरुपयोग

प्रदीप अहिरवार ने कहा कि राज्य शासन और मध्य प्रदेश उच्च स्तरीय छानबीन समिति के स्पष्ट आदेश हैं कि बुंदेलखंड, महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में 'बागरी' उपनाम का प्रयोग करने वाले लोग राजपूत/ठाकुर जाति के हैं। ये बड़े किसान हैं और इन्हें अनुसूचित जाति को दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसके बावजूद, प्रतिमा बागरी को गलत तरीके से जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया और उन्होंने इसका लाभ लेकर राजनीति में प्रवेश किया।

भोपाल में ट्रेन से कटा युवक, मौत

भोपाल। भोपाल के एमपी नगर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे चेतक ब्रिज के नीचे एक युवक का शव मिला। पुलिस के मुताबिक, युवक के जूते ब्रिज के नीचे पड़े हुए थे, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि युवक ट्रैक पर चलते समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। फिलहाल, युवक की पहचान नहीं हो पाई है। मामले में पुलिस जांच कर रही है। एमपी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर उसे हमीदिया अस्पताल की मॉच्युरी में भेज दिया गया। हालांकि, घटना के बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने की कोशिश की है, लेकिन युवक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

डॉक्टर रिचा सुसाइड केस में पति पर एफआईआर

भोपाल पुलिस को मिली वॉट्सएप चैट, दूसरी महिला से संबंध से थी परेशान

भोपाल। भोपाल में डॉक्टर रिचा पांडे के सुसाइड केस में पुलिस ने उनके पति डॉ. अभिजीत पांडे पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस को डॉ. रिचा के वॉट्सएप चैट मिले हैं। इससे खुलासा हुआ है कि लंबे समय से चल रही घरेलू कलह और पति की बेवफाई से तंग आकर डॉ. रिचा ने अपनी जान दी है। पुलिस जांच में सामने आया कि अभिजीत किसी और महिला के साथ रिश्ते में था। रिचा को इसकी भनक लग गई थी। उन्होंने कई बार पति को समझाने की कोशिश भी की थी। पति की हरकतों के कारण रिचा तनाव में थी। वॉट्सएप चैट में कई बार पति ने रिचा से कहा था- मर जाओ। बता दें, शुक्रवार सुबह भोपाल के शाहपुरा में डॉ. रिचा पांडे (25) का शव उनके घर में मिला था। हाथ पर इंजेक्शन के निशान मिले थे। बॉडी में सस्पेक्टेड पॉइजन पाया गया था। पति उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर रिचा पांडे की शादी चार महीने पहले सतना के रहने वाले डॉ. अभिजीत पांडे से हुई थी। अभिजीत डेन्टिस्ट है। जांच में यह भी सामने आया कि अभिजीत अपनी प्रेमिका पर खूब पैसे खर्च करता था। जब रिचा को यह बात पता चली तो उन्होंने विरोध किया। इसके चलते दोनों के बीच आए दिन झगड़े होने लगे। पुलिस ने 24 मार्च को रात 10 बजे अभिजीत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। आरोपी के मोबाइल डेटा और क्लीनिक के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की जा रही है।

मप्र में 27-31 मार्च के बीच लू चलने के आसार

भोपाल। ओले-बारिश का दौर थमते ही मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ गई है। पिछले 2 दिन से अधिकतम तापमान 39 डिग्री के पार है। रतलाम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन पारा 39 डिग्री या इससे अधिक रहा। नर्मदापुरम में भी गर्मी के तेवर काफी तीखे रहे। मौसम विभाग ने 27 से 31 मार्च के बीच लू चलने की संभावना भी जताई है। खासतौर पर मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रह सकता है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। इन शहरों में अभी तापमान 38 से 39 डिग्री के बीच है। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। मौसम विभाग ने दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। ऐसे में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। सोमवार को भी कई शहर गर्म रहे। रतलाम में सबसे ज्यादा 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, नर्मदापुरम में 38.9 डिग्री, धार में 38.6 डिग्री, खरगोन में 37.2 डिग्री, शाजापुर में 37.1 डिग्री, नरसिंहपुर में 37 डिग्री रहा। गुना, मंडला, दमोह, खंडवा, शिवपुरी, खजुराहो और टीकमगढ़ में 36 डिग्री या इससे ज्यादा दर्ज किया गया।

हेल्दी और हाइजीनिक फूड की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

एक महीने का सघन जागरूकता अभियान चलायें, जन प्रतिनिधियों को भी करें शामिल : उप मुख्यमंत्री ने खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता प्रबंधन की समीक्षा में दिये निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा "मन की बात" में देशवासियों को उचित खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि संतुलित और स्वच्छ भोजन नागरिकों के स्वास्थ्य का आधार है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और खाद्य संस्थानों को सही खाद्य पदार्थों का उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिये की जा रही कार्यवाहियों और गतिविधियों की वृहद समीक्षा की। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, आयुक्त फूड सेफ्टी संदीप यादव, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दिनेश कुमार मौर्य, संयुक्त नियंत्रक श्रीमती माया अवस्थी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हर ज़िले में हेल्दी और हाईजीनिक फूड स्ट्रीट बनायें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रदेश में एक महीने का विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जाये। जिसमें सभी जिलों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच हो साथ ही अच्छी प्रैक्टिस की जानकारी भी दी जाये। एक माह बाद खाद्य गुणवत्ता में सुधार के प्रभाव की समीक्षा कर आगामी कार्य योजना का निर्धारण किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और खाद्य कारोबारियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा संबंधी बेहतर तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करने का प्रयास किया जाए ताकि वे अपने क्षेत्रों में जन-जागरूकता का प्रसार कर सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हर ज़िले में हेल्दी और हाईजेनिक फूड स्ट्रीट प्रमाणन के प्रयास किए जायें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "ईट राइट इंडिया अभियान" को गति देगा और नागरिकों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की

दिशा में प्रदेश को आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि हेल्दी और हाइजीनिक फूड की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

3 नवीन संभागीय खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाओं का किया जा रहा है निर्माण : खाद्य पदार्थों की जाँच में तेजी लाने के लिये 3 नई संभागीय खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाओं का निर्माण इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में किया जा रहा है। इंदौर और जबलपुर में मशीनें स्थापित कर मानव संसाधन उपलब्ध कराकर परीक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ग्वालियर में 60% सिविल कार्य पूरा हो चुका है। भोपाल में हाइटेक माइक्रो बॉयोलॉजी प्रयोगशाला का 80% निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। संयुक्त नियंत्रक श्रीमती अवस्थी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 अंतर्गत प्रदेश में 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2024 तक 10,670 लीगल नमूने और 31,387 सर्विलेंस नमूने लिए गए, जिनमें से 30,692 नमूनों का विश्लेषण किया गया। इनमें 1,663 नमूने असुरक्षित, अवमानक या मिथ्या छाप पाए गए। विभाग ने 1,729 प्रकरण दायर किए और 2,015 प्रकरणों का निपटारा किया, जिनमें से 2,000 प्रकरणों में दोष सिद्धि हुई। इस अवधि में 24,485 लाइसेंस और 1,46,258 रजिस्ट्रेशन जारी किए गए। लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन से ?12.47 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि ?9.02 करोड़ का अर्थदंड अधिरोपित कर ?2.98 करोड़ की वसूली की गई।

13 हजार से अधिक खाद्य कारोबारियों को किया जा चुका है प्रशिक्षित : खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 270 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 13,588 खाद्य कारोबारियों को प्रशिक्षित किया गया है। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से 563 जनजागरूकता कार्यक्रमों में 15,185 नागरिकों को प्रशिक्षण दिया गया। फोर्टिफाइड राइस कर्नेल निमार्ताओं को भारत सरकार के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया। ह्यईट राइटह्व गतिविधि के तहत 10 ईट राइट कैंपस, 9 ईट राइट स्कूल, 3 क्लीन वेजिटेबल मार्केट, 4 सेफ भोग प्लेस, 188 हाईजीन रेटिंग और 2 ईट राइट स्टेशनों को प्रमाणित किया गया है।

अवमानक असुरक्षित खाद्य पदार्थों के नियंत्रण के वैधानिक प्रावधान : संयुक्त नियंत्रक श्रीमती अवस्थी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत खाद्य पदार्थों को तीन श्रेणियों में वगीर्कृत किया जाता है। अवमानक खाद्य (सब स्टैंडर्ड) वह होता है जो निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करता, लेकिन इससे मानव स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। मिथ्या छाप खाद्य (मिस ब्रांड) वह खाद्य पदार्थ है, जिसके संबंध में आवश्यक जानकारी या गुण-दोष लेवल पर सही तरीके से अंकित नहीं किए गए हों। वहीं, असुरक्षित खाद्य (अनसेफ) ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनकी प्रकृति, गुणवत्ता या सामग्री मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। अधिनियम के तहत दो प्रकार के प्रकरण अभियोजित किए जाते हैं। सिविल प्रकरण (धारा 51 से 58 एवं 61, 63) में अवमानक या मिथ्या छाप से संबंधित अपराध या नियमों का उल्लंघन होने पर मामले न्याय निर्णायक अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं। आपराधिक प्रकरण (धारा 59, 60, 62, 64, 65) में असुरक्षित खाद्य या बिना लाइसेंस व्यापार से जुड़े मामले प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत होते हैं, जिनमें अधिकतम आजीवन कारावास तक का प्रावधान है।

पुस्तक मेला बच्चों के हित में महत्वपूर्ण और सार्थक कदमः राकेश सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने किया जिला स्तरीय पुस्तक एवं गणवेश मेला का शुभारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज यहाँ शहर के हृदय स्थल गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में जिला प्रशासन द्वारा स्कूली बच्चों को एक ही स्थान पर पुस्तकें, यूनिफार्म, बैग और अन्य सभी शैक्षणिक सामग्री रियायती दर पर उपलब्ध कराने लगाये जा रहे बारह दिनों के पुस्तक और गणवेश मेला का शुभारंभ किया। सिंह ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पुस्तक और गणवेश मेला के आयोजन को स्कूलों बच्चों के हित में सार्थक कदम बताया और इसके आयोजन के लिये जिला प्रशासन को साधुवाद दिया। उन्होंने पुस्तक मेला को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार किये जा रहे सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बताया। जिला स्तरीय पुस्तक और गणवेश मेला के शुभारंभ समारोह में विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत एवं संयुक्त संचालक शिक्षा प्राचीश जैन भी मंचासीन थे। पुस्तक मेला का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये आगे कहा कि पुस्तक एवं गणवेश मेला का आयोजन मात्र औपचारिकता नहीं है, बल्कि उन नौनिहालों और स्कूली विद्यार्थियों के लिये जिन्हें अध्ययन के लिये किताबों की आवश्यकता होती है, उन्हें एक ही स्थान पर उचित मूल्य पर किताबें उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। सिंह ने कहा कि वास्तव में शिक्षा को कभी दान के रूप में देखा जाता था, लेकिन समय के साथ धीरे-धीरे शिक्षा व्यवसाय के रूप में परिवर्तित हो गई और कुछ सीमित लोगों ने इसे धन उपार्जन का माध्यम बना लिया। इसका असर ऐसे लोगों पर पड़ा जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिये किसी भी स्थिति से समझौता नहीं करते और यह जानते हुये भी की उनके साथ ज्यादती हो रही है उस ज्यादती को सहन करते रहना नियति मान लेते हैं। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षा माफियाओं पर जबलपुर में हुई कार्यवाहियों के लिये कलेक्टर दीपक सक्सेना की तारीफ की और उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि जबलपुर कलेक्टर ने निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर अंकुश लगाकर जो सार्थक कदम उठाया, उसकी गूंज भी पूरे प्रदेश में सुनाई दी और पुस्तक मेला के आयोजन की शुरूआत भी जबलपुर से ही हुई।

बुक बैंक स्टॉल की सराहना

मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तक मेला में एक ही स्थान पर उचित दर पर किताबें, यूनिफार्म, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गईं हैं, ताकि बच्चे या उनके अभिभावक के अपने बजट के अनुसार अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर सकें। सिंह ने पुस्तक और गणवेश मेला में शिक्षा विभाग द्वारा पुरानी किताबों के आदान-प्रदान के लिये लगाये गये बुक बैंक के स्टॉल की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुक बैंक की आज भी आवश्यकता है खासतौर पर बच्चों के लिये जो कई लेखकों की किताबें पढ़ना चाहते हैं और अलग-अलग विषयों पर रिसर्च करना चाहते हैं। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने पुरानी किताबों के आदान-प्रदान को लेकर अपने छात्र जीवन के अनुभव भी सुनाए। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने अपने संबोधन के आखिर में पुस्तक एवं गणवेश मेला के आयोजन की सफलता की कामना करते हुये अपेक्षा व्यक्त की इसकी निरंतरता बनी रहेगी। विधायक अशोक रोहाणी ने पुस्तक मेला के शुभारंभ पर अपने विचार व्यक्त करते हुये इसके आयोजन के लिये कलेक्टर दीपक सक्सेना की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को रियायती दर पर किताबें और शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने प्रदेश में पुस्तक मेला के आयोजन की शुरूआत पिछले वर्ष जबलपुर से हुई थी और फीस निर्धारण के लिये निजी स्कूलों पर कार्यवाही का आगाज भी जबलपुर में ही हुआ था, जो प्रदेश भर में नजीर बन चुकी है। रोहाणी ने अपने संबोधन में पुस्तक और गणवेश मेला के आयोजन को सामान्य परिस्थितियों वाले परिवारों के लिये अनुकूल बताया। उन्होंने कहा कि इससे ऐसे परिवारों पर कॉपी-किताबों खरीदने पर पढ़ने वाला आर्थिक भार आधा हो जाएगा और उनका बजट भी नहीं बिगड़ेगा। पुस्तक एवं गणवेश मेला के शुभारंभ समारोह के समापन पर राज सागरी द्वारा रचित और संभागीय बाल भवन द्वारा प्रकाशित बाल कविताओं के संग्रह का विमोचन भी किया गया। पुस्तक एवं गणवेश मेला के शुभारंभ समारोह के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा एवं जबलपुर पुरातत्व, पर्यटन और संस्कृति परिषद के सीईओ हेमंत सिंह ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। पुस्तक मेले के शुभारंभ पर संभागीय बाल भवन में बच्चों द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई तथा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। जिला स्तरीय पुस्तक मेला 5 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक तथा शनिवार और रविवार को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा।

एस पी की पाठशाला के 81 बच्चे हुए चयनित

पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एस.पी की पाठशाला के तहत पुलिस लाईन में संचालित निःशुल्क कोचिंग से प्रतियोगी परीक्षा एसएससी, जीडी से लेकर रेल्वे ग्रुप डी, मध्य प्रदेश पुलिस, पटवारी, आदि में चयनित हुये 81 अभ्यार्थियों कों पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय ने पुलिस कन्ट्रोल रूम में प्रशस्ति पत्र एवं मूमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान एसपी संपत उपाध्याय ने कहा किह मारी पाठशाला में पुलिस लाइन के बच्चों के अलावा शहर के अन्य बच्चे भी आते हैं। 81 बच्चों का शासकीय सेवा में चयन होना, हमारे लिए गौरव की बात है। यह प्रमाण है कि कि हमारा प्रशिक्षण सही दिशा में चल रहा है, हालांकि इसमें बच्चों की मेहनत और अभिभावकों का मार्गदर्शन भी शामिल है।

मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाया जाये

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

देश के व्यापारियों के हितों की रक्षा और खुदरा कारोबार की वृद्धि के लिये हाल में ही सरकार द्वारा राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (उद्धक्कळ) द्वारा किया गया है। यह बोर्ड भारत सरकार द्वारा बनाया गया है और इसके अध्यक्ष सुनील जे. सिंधी को बनाया गया है। राष्ट्रीय कल्याण बोर्ड प्रत्येक प्रदेश में बोर्डों का गठन करने वाला है। जबलपुर चेम्बर के अध्यक्ष प्रेम दुबे ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से मांग की है कि शीर्घ ही मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन करें ताकि मध्य प्रदेश में सरकार से व्यापारियों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिये मध्य प्रदेश सरकार को सुझाव दिये जा सकें। व्यापारियों और कर्मचारियों के लिये बीमा, स्वास्थय, समाजिक सुरक्षा, प्रतिस्पर्द्धा आदि पर सरकार द्वारा नये नियम कानून बनवाये जा सके। प्रदेश के व्यापारी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। सरकार को ऐसी नीति बनाना चाहिए की छोटा व्यापारी अपना जीवन एवं व्यापार सुचारु रुप से कर सकें। मध्य प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश की सरकार और व्यापार के मध्य एक सुचारु संवाद प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाकर व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने के लिये एक प्रमुख निकाय के रुप में काम करेगा। जबलपुर चेम्बर के प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल, रवि गुप्ता (अध्यक्ष मनेरी उद्योग संघ), मुनींद्र मिश्रा (अध्यक्ष उमरिया डुंगरिया उद्योग संघ), दीपक नोगरैया (अध्यक्ष अनाज तिलहन व्यापारी संघ), राजा सराफ (अध्यक्ष सराफा एसोसिएशन), भीमलाल गुप्ता (अध्यक्ष मुकादमगंज व्यापारी संघ), अजीत साहू (अध्यक्ष सब्जी विक्रेता संघ), मुकेश प्यासी (रिछाई औद्योगिक संघ), सतीश ओसवाल (अधारताल औद्योगिक संघ), निखिल पाहवा (जबलपुर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन), शत्रुघ्न सिंह (हार्डवेयर एंड सेनेटरीवेयर एसोसिएशन), अमित गुप्ता (अध्यक्ष आईटी एण्ड इलेक्ट्रोनिकस एसोसिएशन बरगी हिल्स, जबलपुर), राकेश श्रीवास्तव (अध्यक्ष अधारताल व्यापारी संघ), रजनीश त्रिवेदी, जितेन्द्र पचौरी, शशिकांत पांडेय, जुगल किशोर तिवारी, अनंत अग्रवाल, उमेश ग्रावकर, आदि ने अपील की है कि अर्थव्यवस्था को चलाने में खुदरा व्यापारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके उत्थान और विकास के लिए तत्काल मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाये।

राज्यस्तरीय खो खो प्रतियोगिता

26 से 28 मार्च तक होंगे आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश एमेच्योर खो खो एसोसिएशन के तत्वाधान में 57वीं सीनियर राज्यस्तरीय खो खो प्रतियोगिता 26 से 28 मार्च तक श्रीनाथ की तलैया, जबलपुर में आयोजित की जा रही है। पत्रकार वार्ता में आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम कमिश्नर श्रीमति प्रीति यादव है एवं अध्यक्षता ब्रहम्चारी चैतन्यानंद महाराज बंगलामुखी मठ के पुजारी करेंगे। प्रतियोगिता में 32 जिलों से लगभग 750 खिलाडी भाग लेंगे इसमें 25 जिलें के पुरूष वर्ग एवं 22 जिले की महिला वर्ग की टीम भाग लेंगी। खिलाडियों के आवास, भोजन की उच्चतम व्यवस्था होटल/हॉस्टल में की गयी है। प्रतियोगिता का शुभारंभ आज दोपहर 4:00 बजे खिलाडियो के मार्चपास्ट से प्रारंभ होगा। मध्यप्रदेश एमेच्योर खो खो संघ के संरक्षक पं योगेन्द्र दुबे, भारतीय खो खो महासंघ के सहसचिव एवं मध्यप्रदेश एमेच्योर खो खो संघ के सचिव संजय यादव, विनोद पोददार, पं राम दुबे, नैन्सी जैन, गोल्डी गुप्ता, शुभम काछी, पूजा बर्मन, आफरीन शेख, विवेक यादव, जीतू तिवारी, अनिल सिंह एवं समस्त खिलाडियों ने अपील की अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करें।

अभियंताओं ने समझी मुख्यालय की कापोर्रेट कार्यप्रणाली

जबलपुर में आयोजित हुई एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रदेश में विभिन्न मैदानी कार्यालयों में कार्यरत कंपनी कैडर के कार्यपालन अभियंताओं को कापोर्रेट कार्यप्रणाली से अवगत कराने के उद्देश्य से मुख्यालय जबलपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जबलपुर स्थित विभिन्न कापोर्रेट कार्यालयों में पदस्थ विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने संकाय से संबंधित विभागीय विषयों के संबंध में विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया। साथ ही इस कार्यशाला में मैदानी अधिकारियों की दैनिंदिक कार्यप्रणाली के दौरान आने वाली समस्याओं व दुविधाओं के निदान के साथ ही कार्पोरेट, मैदानी कार्यालयों से क्या-क्या अपेक्षाएं रखता है, इस पर भी संवाद हुआ। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश से मैदानी कार्यालयों में पदस्थ कंपनी कैडर के 54 कार्यपालन अभियंताओं ने हिस्सा लिया।

कंपनी के फ्यूचर लीडर है कार्यपालन अभियंता : एमडी तिवारी

कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुये एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि ये कार्यपालन अभियंता कंपनी के फ्यूचर लीडर है, जो वर्तमान में भी फील्ड के सभी महत्वपूर्ण कार्यों को दक्षतापूर्वक अंजाम देते है। उन्होंने आव्हान किया कि कंपनी कैडर के इन सभी अभियंताओं को लीडरशीप क्वालिटी के साथ कंपनी के कार्यों में इवॉल्व होने की आवश्यकता है, ताकि वो विषम से विषम परिस्थितियों में भी अपने व कंपनी के अस्तित्व को बनाये रख सकें। उन्होंने कहा कि आने वाला समय में एम.पी. ट्रांसको को देश की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से बनाये रखने की एक बहुत बड़ी चुनौती रहेगी, अभियंता स्वंय में साफ्ट स्किल डेवलप कर, इनोवोटिव कार्यशैली, समय के अनुसार परिवर्तन स्वीकार करने, सीखने की उत्सुकता रखने तथा कार्यों को नये तौर तरीकों से संपादित कर आसानी से इस चुनौती का सामना कर सकते है।

मां कर्मा देवी की जयंती पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समरस भारत - समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने - सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा मां कर्मा देवी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन आज शाम 04 बजे से आईएमए. हॉल, चंचला बाई कॉलेज के पास रानीताल पेट्रोल पंप के सामने में किया गया है। इस अवसर पर समरसता होली महोत्सव के सहभागियों का सम्मान भी किया जाएगा । समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

समदड़िया कॉन्वेंट स्कूल हो गया बंद

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मिलोनीगंज स्थित समदड़िया कॉन्वेंट स्कूल अचानक बंद कर दिया गया है। मंगलबार को कलेक्ट्रेट कार्यालय की जनसुनवाई में बच्चों के माता-पिता पहुंचे। अभिभावकों ने गुहार लगाते हुए बताया कि शासकीय योजनाओं से पढ़ने वाले बच्चे वंचित हो रहे है।

दरबारे बुनियादी में अफ़्तार ए आम आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सूजी मोहल्ला मिलोनीगंज स्तिथ दरबारे बुनियादी में सज्जादानशीन हजरत सूफी बाबा मेराज अहमद जमाली की सरपरस्ती में आज रोजे अफ़्तार का एहतेमाम किया गया है। सूफी खादिम बाबा जमाली ने तमाम रोजेदारो से शिरकत की गुजारिश की है।

पच्चीसवाँ रोजा आज :

रोजा अफ़्तार, 6:28 बजे
सहरी कल सुबह, 4:38 बजे

सीएम डॉ यादव के जन्मदिवस पर चलाया सेवा प्रकल्प

स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों के बीच सेवा प्रकल्प के माध्यम से मुख्यमंत्री जी के स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की : योगेंद्र सिंह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 60 वे जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा दिवस के रूप में मनाया गया एवं सेवा के विभिन्न प्रकल्प चलाकर अनेकों कार्य किए गए इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर महानगर द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर के निर्देश पर एवं भाजयुमो अध्यक्ष योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय में बच्चा वार्ड पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों एवं परिवार के साथ मिलकर मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस को मनाया गया एवं उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार सेवा के कार्य किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत युवा मोर्चा द्वारा शासकीय सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय में स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों और उनके परिवारों के बीच पहुंचकर उनके लिए खाद्य और पेय सामग्री का वितरण किया गया एवं मुख्यमंत्री जी के यशस्वी और दीघार्यु होने की कामना की। भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हमेशा से ही सेवा और विकास के कार्यों को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं वो चाहे इनवेस्टर समिट हो,स्किल डेवलपमेंट के प्रोग्राम हो , गौशालाओं का उन्नयन हो या फिर किसानों को राहत प्रदान करना हो हर क्षेत्र में आदरणीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं इसलिए हमने मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस को सेवा प्रकल्प के रूप में मनाया एवं सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय पहुंचकर बच्चा वार्ड में स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों के मध्य खाद्य और पेय सामग्री , गुब्बारे,चॉकलेट आदि लेकर गए एवं अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा करने का प्रयास किया । सेवा,सुरक्षा संस्कार इन तीनों को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर युवा मोर्चा द्वारा सदैव कार्य करने का प्रयास किया जाता है। हमारे मुख्यमंत्री जी को ईश्वर और सामर्थ्यवान बनाए और प्रदेश के 8 करोड़ लोगों के लिए और अधिक क्षमता से वो कार्य करें ऐसी ईश्वर से प्रार्थना है।

यह रहे उपस्थित

इस दौरान अर्णब तिवारी,शरद विश्वकर्मा, अनिकेत रावत, अंकित पाठक, आयुष सिंह ,रनेश खरे, पियूष समदरिया, निक्की रजक, आकाश रजक, रिंकू श्रीवास, ओम तिवारी ,राज रजक निहाल बिरहा, आदर्श आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के जन्मदिवस पर भाजपा ने किए सेवा कार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के 60 वें जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमे पौधारोपण, वरिष्ठ जनों का सम्मान, गुरुकुल के बच्चो को शिक्षण सामग्री वितरण, जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कार्यक्रम किए गए और मुख्यमंत्री जी के यशस्वी जीवन की कामना की। भाजपा जबलपुर महानगर द्वारा पूर्व विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महाकौशल कॉलोनी में पौधारोपण के साथ ही वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। पार्टी द्वारा विजय नगर स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित लाड़ली बसेरा गुरुकुल में शिक्षा दीक्षा ग्रहण कर रहे बच्चो के बीच जाकर उन्हें बस्ते, किताबें एवं अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। युवा मोर्चा द्वारा जिला अस्पताल विक्टोरिया में मरीजों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने मुख्यमंत्री जी के यशस्वी जीवन की कामना करते हुए कहा मप्र को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने के संकल्प को लेकर कार्य करने वाले हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओ के जीवन स्तर को उठाने का कार्य कर रही है। आज उनके जन्मदिवस पर हम सभी कार्यकर्ताओ ने उन्हे शुभकामनाये देते हुए सेवा कार्य किए है।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन ,रंजीत पटेल, प्रशांत केशरवानी, मंडल अध्यक्ष अमित राय, योगेश बिलोहा, पुष्पराज पांडे, अंजना मनीष अग्रहरि, मुरली दुबे, राहुल दुबे, नितिन मिश्रा, सुभाष शुक्ला, बिट्टू राय, श्रीमती पूजा राठौर, श्रीमती अर्चना पटेल, अजय अधिकार, पिंटू पटेल, प्रवीण सिंह, सुदीप सिंह, सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकताओं उपस्थित थे।

मां कर्मा की परोपकार भावना को आत्मसात करे समाज : राकेश सिंह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

त्याग, तपस्या और ईश्वर के प्रति पूरे समर्पण भाव से किया प्रेम का फल होता है कि भगवान भी बालक का रूप लेकर आपकी गोद में बैठकर भोग ग्रहण करते है और ऐसी ही भक्त शिरोमणि माता कर्मा थी, जिन्होंने अपनी भक्ति से भगवान के बाल्य स्वरूप को दुलार करने का पुण्य मिला। यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मां कर्मा देवी की जयंती के अवसर पर साहू युवा मंडल द्वारा लाल बिल्डिंग, गंगानगर में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन अवसर पर कही। मंत्री श्री सिंह ने कहा माता कर्मा भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त थी और वे सिर्फ साहू समाज की नही अपितु पूरे सनातन समाज की आराध्य थी। उन्होंने भक्ति समर्पण और परोपकार की जो अलख जायेगी इससे समाज को सीखना चाहिए। आज साहू युवा मंडल द्वारा उसी परोपकार की भावना के निहित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया यह अनुकरणीय है।

इन्होंने दी सेवा

कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र साहू ने बताया माता कर्मा की जयंती पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हृदय, नेत्र, दांत, रक्तचाप, डायबिटीज के साथ ही सम्पूर्ण शरीर की निशुल्क जांच की गई। इस शिविर में डॉ अश्वनी त्रिवेदी, डॉ विवेक जैन, डॉ श्रीकांत साहू, डॉ सचिन बुधौलिया, डॉ वीरेंद्र साहू, डॉ हर्षा रेड्डी, डॉ अरविंद पांडे, डॉ ऋषि उपाध्याय, डॉ अरुण साहू, डॉ मनीष साहू के द्वारा जांच की गई।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, तैलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू, पूर्व महापौर प्रभात साहू, कैलाश साहू,नीलकंठ साहू, श्रीकांत साहू, शेखर साहू, संदीप साहू, वीरेंद्र साहू, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा, पार्षद जितेंद्र कटारे आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

हीथ्रो से जुड़े सवाल

दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे में से एक लंदन का हीथ्रो शुक्रवार को बिजली कटने की वजह से बंद रहा, जिससे भारत समेत कई जगहों की उड़ानों पर असर पड़ा। यह वाकया हैरान करने वाला है क्योंकि अक्सर ऐसी समस्याओं को गरीब और विकासशील मुल्कों से जोड़कर देखा जाता रहा है। पिछले साल हीथ्रो से रोज औसतन 2.20 लाख से अधिक यात्रियों ने सफर किया। यहां से दुनिया की 230 जगहों की उड़ानें भरी जाती हैं। बताया गया कि हवाई अड्डे की बिजली पास में आग लगने की वजह से गई। जिस सब-स्टेशन से हवाई अड्डे को बिजली की सप्लाई की जाती थी, वहां आग लगी और इससे यह समस्या खड़ी हुई। सब-स्टेशन पर लगी आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए। ब्रिटिश सरकार ने बताया कि आग लगने की घटना में किसी का हाथ होने की आशंका नहीं है। इसके बावजूद आतंकवाद निरोधी दस्ता इस मामले की तहकीकात कर रहा है। वजह यह है कि ब्रिटेन के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर पर इस घटना का असर हुआ। इस वाकये का असर हवाई अड्डे के आसपास के रिहायशी इलाकों और बिजनेस एस्टेब्लिशमेंट पर भी पड़ा। हीथ्रो के बंद होने से कम से कम 1,351 उड़ानों पर असर पड़ा। इनमें से कुछ को लंदन के गैटविक हवाई अड्डे, पैरिस और एम्सटर्डम की ओर भेजा गया, लेकिन इसके बावजूद यात्रियों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ा। खबरों के मुताबिक, हवाई अड्डे के बंद होने से करीब 3 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। और आने वाले दिनों में भी इससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। जितने बड़े पैमाने पर हीथ्रो के बंद होने और उस वजह से उड़ानों के रद्द या रीशेड्यूल होने से लोगों पर असर पड़ा है, यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यात्रियों की परेशानी दूर करने में एयरलाइंस सक्षम हैं? फिर सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि जिस तरह की चीजों को लेकर गरीब और विकासशील देशों को पश्चिम में नीची नजर से देखा जाता है, हीथ्रो में हुए हादसे के बाद उस पर ये देश क्या कहेंगे। दूसरा सवाल यह है कि क्या ऐसे किसी हादसे की आशंका हीथ्रो के मैनेजमेंट को नहीं थी और अगर उन्हें ऐसा कोई अंदेशा था तो इसके लिए उपाय क्यों नहीं किए गए थे? एक और बात यह भी है कि हालिया दशक में भारत जैसे देशों में बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलप हो रहा है, जो वैश्विक स्तर का है। चीन तो इस मामले में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देशों में शामिल है। वहीं, पश्चिमी देशों में इन्फ्रास्ट्रक्चर इनके मुकाबले कमतर साबित हो रहा है।

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' एक ही प्रकृति के मामलों में अलग-अलग फैसले आना, कुछ न्यायाधीश कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों को चुनते देखे जाते हैं, कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाना, आंशिक सुनवाई के मामलों की प्रथा आदि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये न्याय प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा है।

न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्यायपालिका ईमानदारी, निष्पक्षता और कानून के समक्ष समान व्यवहार के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के चार स्तंभों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है। न्यायालयों की ईमानदारी में जनता और कानूनी समुदाय का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से कानून में क्रांतिकारी बदलाव की अपेक्षा है।

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' एक ही प्रकृति के मामलों में अलग-अलग फैसले आना, कुछ न्यायाधीश कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों को चुनते देखे जाते हैं, कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाना, आंशिक सुनवाई के मामलों की प्रथा आदि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये न्याय प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि एक मौजूदा न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी पाई गई। इस तरह की घटना, किसी भी चल रही जांच के बावजूद, न्यायपालिका की ईमानदारी और निष्पक्षता पर एक बदनुमा दाग है।

न्यायपालिका ईमानदारी, निष्पक्षता और कानून के समक्ष समान व्यवहार के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के चार स्तंभों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है। न्यायालयों की ईमानदारी में जनता और कानूनी समुदाय का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से कानून में क्रांतिकारी बदलाव की अपेक्षा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में इसके लिये तत्पर है और वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है। स्वल्प समय में ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में वे कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं, वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के सामने अनेक चुनौतियां हैं, उनका मार्ग कंटकाकीर्ण हैं। उनके द्वारा शुरू किये कानून सुधार-अभियान की किसी पहल का विरोध होना स्वाभाविक है। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। न्यायिक प्रणाली, जो निष्पक्षता और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर टिकी हुई है, न केवल निंदा से परे होनी चाहिए बल्कि जनता द्वारा भी देखी जानी चाहिए। न्यायालयों के भीतर एक व्यापक आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायिक प्रक्रिया बेदाग रहे और न्यायपालिका के बारे में जनता की धारणा को उसके सही परिप्रेक्ष्य पर बहाल किया जा सके। न्यायालयों

की निष्पक्षता में आम आदमी का विश्वास सर्वोपरि है, और इस विश्वास को खतरे में डालने वाली किसी भी घटना से शीघ्रता और विवेकपूर्ण तरीके से निपटा जाना चाहिए।

न्यायालयों के कामकाज की पवित्रता बनाए रखने के लिए उनकी समीक्षा की जानी जरूरी है। यह बहुत स्पष्ट है कि कुछ न्यायाधीश, कभी-कभी, व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों चुनते देखे जाते हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की एकरूपता और निष्पक्षता को कमजोर करता है। निष्पक्षता सुनिश्चित करने और पक्षपात या पक्षपात की किसी भी झलक से बचने के लिए मामलों का चयन करने का विवेक सीमित होना चाहिए। यह आवश्यक है कि सभी मामलों को एक स्थापित, पारदर्शी रोस्टर प्रणाली के आधार पर निष्पक्ष रूप से आवंटित किया जाए। यह भी न्याय-प्रक्रिया की एक बड़ी विसंगति है कि कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाती है। इस तरह की प्रथाएं न्याय की नींव को ही नुकसान पहुँचाती हैं, क्योंकि वे अनुचित पक्षपात का कारण बन सकती हैं। किसी भी वकील को, चाहे उनकी स्थिति या पद कुछ भी हो, न्यायिक प्रक्रिया में अनुचित लाभ प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सर्वप्रथम तो भारत के न्यायपालिका का संस्थागत चरित्र बदलने की जरूरत है। यह सामंती है और इसे इसके स्थान पर लोकतांत्रिक बनाना होगा। संवैधानिक जजों की चयन प्रक्रिया बहुत ही अलोकतांत्रिक है, जिसमें संविधान में वर्णित 'हम भारत के लोग' इनकी कोई भूमिका नहीं है। यहां पहले से पदासीन चले आ रहे लोग अपनी पसंद के लोगों को चुनकर पदों पर बिठा देते हैं, देखते ही देखते कुछ ही वर्षों में भारत का पूरा न्यायिक तंत्र कुछ परिवारों के कब्जे में आ गया है। वर्तमान सरकार ने परिवारवादी राजनीति के साथ परिवारवादी न्याय-व्यवस्था में सुधार किये हैं। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। वर्षों-वर्ष चलने वाले मुकदमों का खर्च भी बहुत ज्यादा है। न्याय प्रक्रिया की कोई सीमा-अवधि नहीं है। इसलिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के ताजा वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है।

निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। न्यायपालिका की हठधर्मिता, विधायिका और कार्यपालिका का न्यायिक सुधार के संबंध में उपेक्षात्मक रुख साथ-साथ भारतीय जनमानस की उदासीन भूमिका ऐसी जड़ताएं हैं जिसने अपार पीड़ा को सहते हुए भी न्यायिक सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकारों पर दबाव बनाने का कार्य कभी नहीं किया गया, जो मिला उसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया। अनेक मामलों में अन्यायपूर्ण न्याय को स्वीकारना ही आम जनता की विवशता रही है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र ही स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

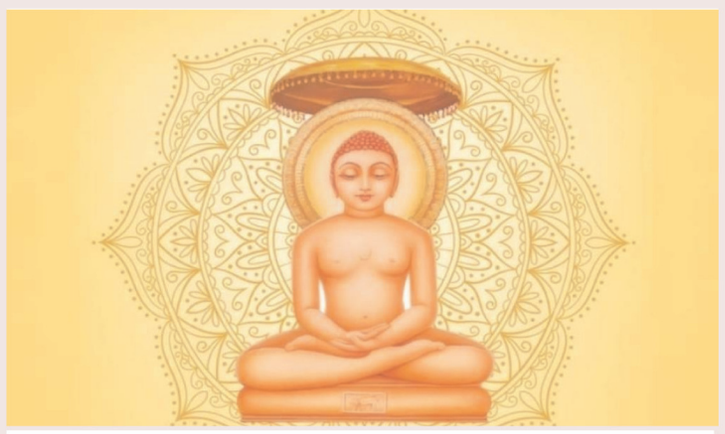

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है सत्य। महावीर कहते हैं, जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो।

बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है।

महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप ङ्क बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं।

महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है ङ्क अहिंसा परमो धर्मः हम सोचते हैं, मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं। लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा - किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना - ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है।

अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है सत्य। महावीर कहते हैं, जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो। लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में ङ्क हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है। सत्य की राह पर चलकर ही मन हल्का, शांत और मुक्त होता है।

महावीर की तीसरी शिक्षा है अपरिग्रह (त्याग) आज की दुनिया में हम जितना जमा करते हैं, उतने ही उलझते जाते हैं। मकान, गाड़ी, पैसे, कपड़े, गहने सब जमा करते हैं, फिर भी मन खाली है। महावीर कहते हैं, जितना छोड़ोगे, उतना ही हल्के हो जाओगे। क्या आपने कभी पुराने कपड़े, बेकार सामान, फालतू की चीज़ें दान की हैं? उस खालीपन में जो सुकून है, वही असली धन है।

आज अगर हम अपने जीवन से फालतू चीज़ें न केवल भौतिक वस्तुएं, बल्कि बेकार की सोच, गुस्सा, नफरत ङ्क हटा दें, तो हमारे पास एक खाली, सुंदर जगह बचती है, जहां शांति का वास हो सकता है।

संयम, महावीर की चौथी शिक्षा है। आज हमारी दुनिया असंयम की दुनिया बन चुकी है खाने में, बोलने में, खर्च करने में, रिश्तों में। हर चीज़ 'तुरंत चाहिए' की दौड़ में हम संयम खो चुके हैं। अगर हम बोलने में संयम रखें, तो न लड़ाई होगी, न रिश्ते टूटेंगे। खाने में संयम रखें, तो शरीर स्वस्थ रहेगा। पैसों के खर्च में संयम रखें, तो चिंता नहीं होगी।

महावीर की ये पंक्तियां हमें रोज याद करनी चाहिए- मनुष्य खुद अपने भाग्य का निर्माता है। जितना खुद को जानोगे, उतना मुक्त हो जाओगे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

हे माननीय! आखिर अपनी जिम्मेदारी कब समझेंगे आप? बहुत हद कर दी आपने!

सवाल किसी जज की कोठी में भारी मात्रा में नोटों के मिलने का नहीं है और न ही उसके खिलाफ लीपापोती वाली प्रक्रिया शुरू करने का है, बल्कि सुलगता हुआ सवाल यह है कि व्यवस्था के ऐसे जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में हमारी संवैधानिक व्यवस्था कितनी असहाय प्रतीत होती आई है और आज तक उसका सार्थक और सकारात्मक हल नहीं ढूंढा जा सका है।

भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है।

समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सिलसिलेवार ढंग से जो 'संवैधानिक ड्रामा' रचाया जा रहा या चल रहा है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ 'हमारी संसद' जिम्मेदार है, क्योंकि जनहित में प्रभावशाली कानून बनाने का जिम्मा उसी के ऊपर है। यदि उसने इस मामले में अबतक किसी तरह की कोई लापरवाही बरती है तो यह जन-बहस का मुद्दा है। इसलिए कुछ सुलगता हुआ सवाल यहां पर प्रासंगिक है! लेकिन जब हम संसद की बात करते हैं तो इसकी सीधी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों और उनके समूह की होती है। क्योंकि सत्ता की अदलाबदली प्रायः इन्हीं के बीच होती रहती है। संसद के अलावा, हमारी सिविल सोसाइटी, मीडिया मठाधीश, अधिवक्तागण, शिक्षाविद, प्रबुद्ध कारोबारी तबका एवं विभिन्न प्रकार के लोकतांत्रिक दबाव समूह भी इस स्थिति के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि भले ही इनके पास कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है या फिर अलग-अलग प्रकार की कानूनी सहूलियत प्राप्त है, लेकिन जनमत निर्माण में इनकी बहुत बड़ी भूमिका रहती आई है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि समाज का यह जागरूक तबका और उनका जेबी संगठन राजनीतिक रूप से दलित-महादलित, ओबीसी-एमबीसी, सवर्ण-गरीब सवर्ण, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक, आदिवासी-आर्य, अकलियत-पसमांदा, भाषा-क्षेत्र, अमीर--गरीब आदि विभिन्न गुटों में बंटा हुआ है, जो आभिजात्य वर्गीय सोच की हिफाजत का टूल्स बना दिया गया है। वहीं, संसद द्वारा सही कानून बनवाने और बनाए हुए कानूनों को लागू करवाने में नौकरशाही की बड़ी भूमिका रहती है। जबकि इन कानूनों की न्यायसम्मत समीक्षा करने और मतभेद या विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय देने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है, जहां वकीलों की दलील के आधार पर किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है। खास बात यह कि हमारी नौकरशाही के प्रशासनिक विवेक और न्यायपालिका के न्यायिक विवेक पर भी कोई सवाल उसी तरह से नहीं उठाया जा सकता है, जिस तरह से विधायिका के विधायी व प्रशासनिक विवेक और मीडिया के संपादकीय विवेक को मान्यता एवं संरक्षण प्राप्त है। कहने का तातपर्य यह कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का जागरूक और निष्पक्ष होना पहली शर्त है। मौजूदा दौर में 'धनपशुओं' से सहयोग प्राप्त सिविल सोसाइटी यानी समाजपालिका भी बहुत

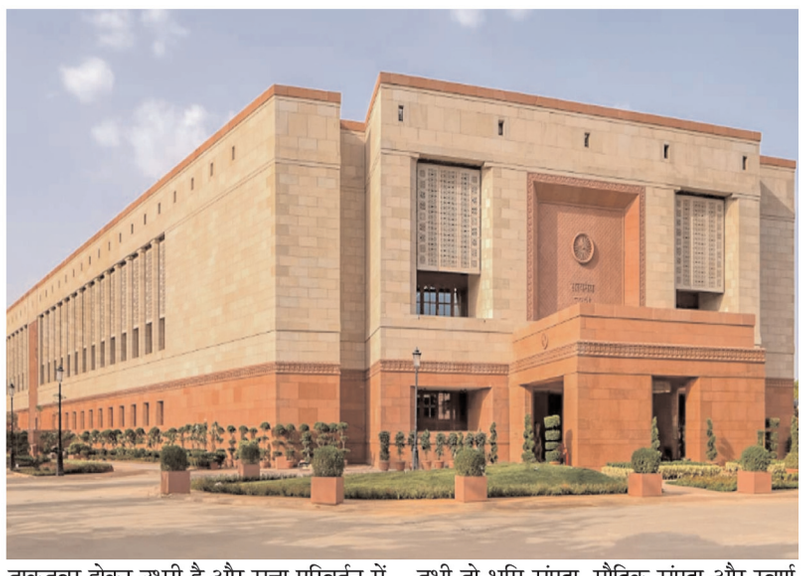

ताकतवर होकर उभरी है और सत्ता परिवर्तन में मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि, इसके संकीर्ण सोच से भी समाज दिग्भ्रमित हुआ है। आमतौर पर राजतंत्रीय सोच और सामंती विचारों से हमारा मौजूदा लोकतंत्र भी संक्रमित हो चुका है। तभी तो भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ हमारे माननीयों में मची रहती है। वहीं जो ज्ञान संपदा के धनी हैं, वे भी भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ में शामिल हो चुके हैं। अफसोस की बात यह है कि हमारा लोकतंत्र और संविधान ही इनकी अवैध और अकूत कमाई का हथकंडा बन चुका है और उच्चपदस्थ लोग इनके खिलाफ एकजूट नहीं हो रहे हैं। यही वजह है कि जनता दिन-ब-दिन गरीब और उसके शासक लगातार अमीर होते जा रहे हैं। इनके अवैध धन से कहीं आतंकवादी, तो कहीं नक्सली व उग्रवादी फलफूल रहे हैं। भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है। आखिर अनवरत सांप्रदायिक दंगों और राजकोषीय लूट के लिए हमारी संसद नहीं तो कौन जिम्मेदार है, यक्ष प्रश्न है। कम्पनी, फर्म, ट्रस्ट, एनजीओ आदि को अलग इकाई मानना और उनके दिवालिया व विफल होने पर उनके संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई न होना, उनकी या उनसे लाभान्वित लोगों की अन्य सम्पत्तियों तक प्रशासनिक आंच का नहीं पहुंचना हमारी नीतिगत विफलता नहीं तो क्या है? आज भू-सम्पदाओं में जो धोखाधड़ी मची हुई है, मौद्रिक क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी लगातार बढ़ रही है, इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा। अनुभव बताता है कि पुलिसिया भ्रष्टाचार, तहसील कदाचार, न्यायिक जुल्म व लेटलतीफी, प्रशासनिक पक्षपात, सियासी अनैतिकता से समूचा समाज भयाक्रांत और परेशान है, लेकिन हमारे माननीयों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास नहीं है। या वैसा कोई सजग व्यक्ति या समूह भी नहीं है जो इन लोकतांत्रिक महावीरों को उनकी मौलिक शक्ति का एहसास दिलाए।

सवाल किसी जज की कोठी में भारी मात्रा में नोटों के मिलने का नहीं है और न ही उसके खिलाफ लीपापोती वाली प्रक्रिया शुरू करने का है, बल्कि सुलगता हुआ सवाल यह है कि व्यवस्था के ऐसे जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में हमारी संवैधानिक व्यवस्था कितनी असहाय प्रतीत होती आई है और आज तक उसका सार्थक और सकारात्मक हल नहीं ढूंढा जा सका है।

आपने देखा सुना होगा कि देश को लूटने वाले विदेशों में बस रहे हैं। ऐसे लोग हमारी कानूनी खामियों का फायदा उठाकर विदेशों में मौज कर रहे हैं, क्योंकि उनको परोक्ष सियासी शह व सहूलियत दोनों प्राप्त है। ऐसे में यक्ष प्रश्न यह है कि यदि मौजूदा लोकतांत्रिक व संवैधानिक व्यवस्था जनता की सुख-शांति-समृद्धि सुनिश्चित नहीं कर सकती हैं तो फिर उसके होने या न होने का क्या मतलब रह जाता है। इस नजरिए से आधुनिक लोकतंत्र भी अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और पूंजीपतियों के नेतृत्व वाली नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है, जिससे आमलोगों की त्रासदी और बढ़ेगी! वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इतिहास को संजोने और पीढ़ियों तक पहुंचाने से होगा राष्ट्र को सशक्त

पेशवा ने कहा, बलिदानियों को याद कर, अपने कर्मों से राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करें

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीर नारियों, सैनिकों व अग्निवीरों का हुआ सम्मान

उमरिया। शहीदों का सम्मान और देश के प्रति समर्पण ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। हमें उनके बलिदान को केवल याद ही नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने कर्मों से राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करनी चाहिए। राष्ट्र को सशक्त करने का मार्ग केवल इतिहास को संजोने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने से ही संभव होगा। भारत के गौरवशाली इतिहास में अनेक वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी है, जिनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से लेकर आज के आधुनिक सैनिक भी शामिल हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि उनकी वीरता और बलिदान को केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उसे अपनी जीवनशैली में आत्मसात करें साथ ही श्री पेशवा ने कहा कि "एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त करने का प्रयास है। यह मंच भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में राष्ट्रीय चेतना जागृत करता रहेगा। उक्त विचार मराठा साम्राज्य के महान योद्धा बाजीराव पेशवा के 14वें वंशज, प्रभाकर नारायण राव पेशवा ने व्यक्त किए।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर जवानों को श्रद्धांजलि

जनगण स्वाधीनता मंच, उमरिया द्वारा आयोजित "एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह आयोजन शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशिष्ट अतिथि, वीर नारियां, सैनिकों के परिजन, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के तेल चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं 'वंदे मातरम्' गीत के सामूहिक गायन से हुई। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सैनिकों, वर्तमान सेना के जवानों एवं अग्निवीरों को सम्मानित किया गया। साथ ही, वीर नारियों और उनके परिजनों को भी मंच से विशेष रूप से सम्मानित कर उनके त्याग और समर्पण को नमन किया गया। विशेष रूप से, वीर नारी श्रीमती शांति देवी (पति शहीद सीताराम रघुवंशी) का सम्मान किया गया, जिन्होंने देश के लिए अपने पति को बलिदान करते देखा, लेकिन फिर भी राष्ट्रसेवा की भावना को बनाए रखा।

राष्ट्रवाद का संदेश फैला रहे

इस अवसर पर जनगण स्वाधीनता मंच के संयोजक मान सिंह ने कहा कि—"जब हमने 11 सदस्यों के साथ इस मंच की शुरूआत की थी, तब यह केवल एक संकल्प था, लेकिन आज यह मंच 40 सदस्यों के साथ पूरे जिले में राष्ट्रवाद का संदेश फैला रहा है। हमारा यह 8वां वर्ष है जब हम इस आयोजन को कर रहे हैं। इसका उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना ही नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रप्रेम की भावना को पुनर्जीवित करना है।" उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक मिशन है, जिससे हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अपने पूर्वजों के इतिहास से जोड़ना चाहते हैं, ताकि उनके त्याग और बलिदान की गाथा चिरस्थायी बनी रहे।

ओजस्वी काव्य पाठ से समां बांधा

कार्यक्रम में देशभर के प्रसिद्ध राष्ट्रीय कवियों ने अपने ओजस्वी काव्य पाठ से समां बांध दिया। राष्ट्रीय कवि गजेंद्र सोलंकी (दिल्ली) ने अपने प्रभावशाली काव्य से राष्ट्रवाद की भावना को प्रबल किया। सुमित मिश्रा (ओरछा) ने अपने जोशीले अंदाज में शहीदों के बलिदान को याद किया। साक्षी तिवारी (लखनऊ) ने अपनी भावनात्मक काव्य प्रस्तुति से पूरे माहौल को देशभक्ति से भर दिया। इसके अलावा, देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विभिन्न संस्थाओं का रहा सहयोग

इस आयोजन में विभिन्न संस्थाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उमरिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स, प्रयासम संस्था चंदिया, मातृशक्ति संगठन उमरिया, तृतीय वर्ग लिपिक संघ उमरिया, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ उमरिया एवं अन्य संगठनों ने आए हुए अतिथियों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ.ब्रजेश शर्मा ने अपनी प्रभावशाली शैली में संभाला। उनके जोशीले अंदाज ने पूरे कार्यक्रम को ऊजार्वान बनाए रखा। समापन अवसर पर भारत माता की आरती का सामूहिक गायन किया गया, जहां उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में ह्यवंदे मातरम्ह्ण और ह्यभारत माता की जयह्ण के उद्घोष के साथ इस ऐतिहासिक आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिले के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही— जिसमे प्रमुख रूप से स्वदेशी के प्रांत संयोजक आलोक जी, प्रान्त सह प्रचार प्रमुख शिवनारायण, प्रजातंत्र गंगेले, बड़वारा विधायक धीरेंद्र सिंह धीरू, उमरिया कलेक्टर धरनेद्र कुमार जैन, उपसंचालक बीटीआर पीके वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, अपर कलेक्टर गोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम कमलेश नीरज, समाजसेवी कपिल मलैया (सागर), दिनेश त्रिपाठी, मिथिलेश मिश्रा, पूर्व विधायक शकुंतला प्रधान, प्रकाश पालीवाल, रामकिशोर चतुर्वेदी, नवनीत चतुर्वेदी (कटनी)हरीश विश्वकर्मा, रामपाल जी (अनूपपुर), अनिल द्विवेदी, रमाशंकर तिवारी,धनुषधारी सिंह, जनदुनिया संपादक संतोष गुप्ता, सुरेंद्र गौतम, छोटेलाल सिंह, राजेंद्र तिवारी, श्रीमती सोनिया मिश्रा (सेंट्रल एकेडमी), विश्वजीत पांडे (आरसी स्कूल), जनगण स्वधीनता मंच के समस्त सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार बंधु एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

29 को शनिधाम में शनैश्चरी अमावस्या महोत्सव

साल का पहला सूर्य ग्रहण लगेगा और शनिदेव कुंभ राशि से गोचर कर मीन राशि में प्रवेश करेंगे

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर चैत्र माह की अमावस्या तिथि शनिवार 29 मार्च शनैश्चरी अमावस्या के रूप में मनाई जाएगी। शनिवार के दिन पड़ने के कारण इसे शनि अमावस्या भी कहा जाएगा। पंचांग के अनुसार, यह दिन धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जा रहा है। क्योंकि इस दिन दो बड़े संयोग बन रहे हैं। इस दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण लगेगा और इसी दिन शनिदेव कुंभ राशि से गोचर कर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। भारत में यह सूर्यग्रहण नजर न आने के कारण इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। श्री शनि अमावस्या महोत्सव के शुभअवसर पर तिलवारा स्थित प्राचीन शनिदेव मंदिर में दिव्य 56 भोग के साथ भव्य महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस शुभ योग के अवसर पर शनिधाम में विशेष पूजन, शनि अभिषेक, दिव्य आरती, मथुरा वृंदावन से आये महाराज द्वारा निर्मित 56 भोग अर्पण किया जाएगा , एवं भंडारे का आयोजन किया

जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि शनि की साढ़ेसाती और ढैया से प्रभावित व्यक्ति अगर इस दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय करते हैं, तो उनकी परेशानी भी कम हो सकती है। शनिदेव की महादशा या साढ़ेसाती से परेशान जातको को शनि अमावस्या के दिन शनिदेव की पूजा जरूर करना चाहिए। इस दिन मां नर्मदा में स्नान कर पूजा करने से शनिदेव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। धार्मिक मान्यता है कि शनिश्चरी अमावस्या के दिन पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से घर के पूर्वजों के साथ शनिदेव की कृपा भी बनी रहती है। आयोजकों ने बताया कि जब अमावस्या के दिन शनिवार होता है तो पुण्य फल कई गुना बढ़ जाने से उसका महत्व बढ़ जाता है। श्री शनि अमावस्या पर पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह पं. सतीशजी महाराज, पं. अनिल मिश्रा, नितिन शर्मा ,विध्येश भापकर , नितिन भाटिया ,संजय तिवारी ,शुभम तिवारी, सोनू कुररिया, राज सिंह, करण भट्टाचार्य, नितेश राजपूत, हितेश पटेल, विवेक पाण्डेय, शिवा तिवारी, अशोक साहू, गणेश साहू, विजय पटेल, ईशान शर्मा, विजय ठाकुर, राजकुमार पटेल, लक्ष्मण पटेल, गौरव सेनी, ब्रजेश कुशवाह, सिद्धांत विनायक ,पट्टू उर्प्रीत, मनीष साहू ,आशीस विश्वकर्मा , रितेश शुक्ला ,ईश्वर दास ,अमित पटेल,मुकेश राठौर, अभिषेक ठाकुर ने किया है।

मुस्लिम विकास परिषद ने ज्ञापन देकर की कार्यवाही की मांग

स्मार्ट विद्युत मीटर लगाने के बाद की जा रही अवैध वसूली

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जाकिर हुसैन वार्ड में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद ठेकेदार व उनके कर्मचारियों के द्वारा डरा धमकाकर गरीब उपभोक्ताओं से रुपयों की अवैध वसूली की जा रही है। उक्ताशय का एक ज्ञापन कार्यवाही हेतु मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, पत्रकार आरिफ खान, समाजसेवी फैजान कुरैशी, एड. अय्यूब अंसारी के नेतृत्व में बिजली विभाग के सीएमडी के नाम अधी. यंत्री शहर को सौपा गया। ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री व कलेक्टर को भी प्रेषित की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बिजली कंपनी के ठेकेदार और क्षेत्र के जन प्रतिनिधि की साठगांठ से प्रतिदिन गरीबों से लाखों रुपए की अवैध वसूली की जा रही है। प्रायः उपभोक्ताओ द्वारा स्वेच्छा से स्मार्ट मीटर बदलवा रहे हैं। मीटर बदलते ही इनके द्वारा कहा जाता है कि पुराने मीटर से छेड़छाड़ की गई है और बिजली की चोरी की है उसका प्रकरण दर्ज होगा, आपके मीटर की जांच होगी तो लगभग 50 से 70 हजार रुपये लग जायेंगे, और आपके घर की बिजली बंद कर दी जाएगी। इस तरह से डरा धमका कर उनसे 5, 10 अथवा 15 हजार रुपये वसूल रहे हैं।

पुराना मीटर सही होने के बावजूद भी डरा कर अवैध वसूली की जा रही हैं। जांच कर दोषी ठेकेदार व उसके कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की गई हैं। ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के रम्भल विश्वकर्मा, मामूर गुड्डू, एड.रियाज, इस्तियाक अंसारी, इरफान कुरैशी, जावेद मिर्जा, गुलाम साबरी, एड. अकबर उस्मानी, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, अशरफ कुरैशी, लियाकत जावेद, मुज्जफर कुरैशी, साजिद काजी, अहमद रजा, इस्लाम अली आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

करंट से भाई-बहन की मृत्यु पर आयोग ने लिया संज्ञान, मांगा प्रतिवेदन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले के सुरैया टोला गांव में खेत के आसपास घूम रहे जानवरों को भगाने गये सगे भाई-बहन की खेत किनारे लगे बिजली खंभे से झुलते तारों से कंरट लगने से दोनों की मृत?यु होने की घटना सामने आई है। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि बिजली विभाग से शिकायत करने के बावजूद अब तक खंभे से झुलते बिजली तारों को नहीं हटाया गया है, इस कारण दोनों भाई-बहन की मृत?यु हो गई है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध?यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष मनोहर ममतानी की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, म.प्र. पूर्वी क्षेत्र विद्युत वि.क.लि., जबलपुर के कार्य पालन यंत्री से मृतकों के उत्तराधिकारियों को देय आर्थिक मुआवजा तथा घायल बच?चें के इलाज एवं आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप?ताह में मांगा है।

किसानों की फार्मर आईडी बनाने में जिले में अग्रणी है कन्हवारा

कटनी। समर्थन मूल्य पर फसल उपार्जन हेतु पंजीयन और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर आई.डी की आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिले की तहसील कटनी के वृत्त कन्हवारा में अभी तक करीब 93 फीसदी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है। नायब तहसीलदार शिवभूषण सिंह ने बताया कि तहसील कटनी के वृत्त कन्हवारा में कुल लक्ष्य 4 हजार 947 के विरूद्ध अभी तक कुल 4 हजार 582 कृषकों की फार्मर आईडी बना ली गई है। शेष 365 कृषकों की फार्मर आई.डी का कार्य भी शीघ्र पूर्ण करनें का कार्य जारी है। विदित हो कि जिले में कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के निदेर्शानुसार किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य राजस्व एवं कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाकर अभियान के तौर पर किया

जा रहा है।

पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करनें फार्मर आईडी अनिवार्य

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी निदेर्शों के मुताबिक मार्च 2025 के बाद पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने किसानों की फार्मर आईडी होना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमि स्वामी को एक यूनिक आईडी जनरेट कर प्रदान की जा रही है ताकि कृषकों को आसानी से केसीसी ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सके और हितग्राही मूलक योजनाओं हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। फार्मर रजिस्ट्री से किसानों की पहचान सुनिश्चित होगी, किसानों का डेटाबेस तैयार होगा और कृषि संबंधी नीतियों के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। फार्मर रजिस्ट्री या फार्मर आईडी से किसानों को पीएम किसान एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भी आसानी होगी। किसान घर बैठे मोबाइल एप के माध्यम से अपनी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते है। इसके लिये उन्हें प्ले स्टोर पर जाकर फार्मर सहायक एमपी एप डाउनलोड करना होगा तथा आधार वेरिफिकेशन और मोबाइल नम्बर वेरिफिकेशन के बाद किसान को स्वयं की, कृषि भूमि की और समग्र आईडी की जानकारी इसमें दर्ज करनी होगी। मोबाइल एप के अलावा किसान पटवारी अथवा उनके गांव में नियुक्त सर्वेयर सहायक से भी फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे। एमपी ऑनलाइन कियोस्क या कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी निर्धारित शुल्क चुकाकर किसान फार्मर रजिस्ट्री करा सकेंगे।

कलेक्टर यादव ने ओलंपियाड मे चयनित प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मंगलवार को जिला व राज्य स्तर की ओलंपियाड प्रतियोगिता में चयनित जिले के 32 होनहार एवं प्रतिभावान छात्रों को स्मृति चिन्ह शील्ड, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। कलेक्टर यादव ने छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर शाबाशी दी, पीठ थपथपाई और आगे भी खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की सीख दी। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत भी खास तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला स्तर पर चयनित 32 छात्रों एवं राज्य स्तर के लिए चयनित 7 छात्रों को कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा ट्रैक सूट, पानी की बॉटल, कम्पास बॉक्स मोमेंटो व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संबंधित छात्रों को प्रोत्साहित करनें वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला परियोजना समन्वयक के.के.डेहरिया, एपीसी सुबरण सिंह राजपूत, राम भूषण अग्निहोत्री, श्रीमती प्रीति सिंह, श्रीमती प्रतिभा गर्ग, विकासखंड कटनी बीआरसी मनोज गौतम, विकासखण्ड बहोरीबंद बीआरसी प्रशांत मिश्रा, विजयराघवगढ़ बीआरसी चेतराम मरकाम, व ढीमरखेड़ा बीआरसी प्रेम कुमार कोरी, राकेश दुबे बीएसी कटनी, शैलजा तिवारी निपुण प्रोफेशनल कटनी, राकेश विश्वकर्मा, सारिका गुप्ता, निधि चतुर्वेदी, मो.फैज, रोहित गर्ग, राकेश झारिया, कमालुदीन खान (कमाल) व जिले की विविध शालाओं से पधारे शिक्षक व पालक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर यादव ने सभी छात्रों व शिक्षकों का उत्साहवर्धन कर अधिक से अधिक छात्रों को आगामी वर्षों में शामिल करने के लिये आह्वान किया।

जल संरक्षण कार्यों के लिए चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

कटनी। शासन के निदेर्शानुसार 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जिले के जिन क्षेत्रों में भू-जल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है तथा गर्मियों में पेयजल का संकट हो सकता है, ऐसे क्षेत्रों को कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग की मनरेगा योजना तथा अन्य योजना से जल संवर्धन और संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। इसके अलावा परंपरागत जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं विकास के कार्य शामिल कर प्रत्येक ग्राम पंचायत में उपयुक्त स्तर पर कम से कम एक कार्य आवश्यक रूप से कराया जाएगा। साथ ही वर्षा जल को संरक्षित करने के लगातार प्रयास के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आम जनता की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

निशुल्क योग शिविर आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विहंगम योग का दस दिवसीय योग शिविर सद्गुरु सदाफल देव वैदिक हवण यज्ञ का आयोजन विहंगम योग ध्यान साधना का अभ्यास विहंगम योग संस्थान के द्वारा विगत एक सप्ताह से निःशुल्क 10 दिवसीय योग शिविर का संचालन दत्त टाउनशिप, तिलहरी में किया गया है। जिसमें आसन प्राणायाम एवं विहंगम योग ध्यान साधना का अभ्यास प्रातः 6 बजे से कराया जा रहा है। विहंगम योग संस्थान के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर लगातार निःशुल्क योग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें काफी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं। योगाचार्य जयराम सिंह के द्वारा लगातार योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कम में सद?गुरु सदाफलदेव वैदिक हवण यज्ञ का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें यज्ञ से होने वाले लाभ से लोगों को अवगत कराया गया। यज्ञ सनातन पुरातन वैदिक परम्परा रही है जिससे जनमानक को लाभ प्राप्त होते हैं। यज्ञ में कई प्रकार की औषधिय पदार्थ को अग्नि मे डाले जाता है एवं जलने पर शूक्ष्म होकर सम्पूर्ण वायुमंडल शुद्ध एवं पवित्र करते हैं। स्वर्वेद महामंदिर धाम वाराणसी के निर्देशन में सम्पूर्ण कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। जिसमें काशी से पधारे ज्योतिषाचार्य सतेन्द्र चतुवेर्दी का सत्संग प्रवचन शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में कॉलोनीवासी एवं विहंगम योग की ओर से हरेन्द्र सिंह, अशोक जायसवाल, अजय प्रसाद, मदन प्रसाद, एकांत कुमार सतीश प्रजापति, पियूष कुमार, रेनु गुप्ता, सीमा श्रीवास्तव, चंचला सिंह, रीता सिंह, संगीता पंडित इत्यादि का विशेष योगदान रहा।

भारतीय नव वर्ष में फलाहारी भोजन प्रसाद थाली एवं भगवा ध्वज का वितरण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा भारतीय हिंदू नव वर्ष का अभिवादन तिलक बंधन से किया जाएगा विजय यादव ने बताया कि भारतीय हिंदू नव वर्ष 30 मार्च से प्रारंभ होने वाला है मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा भारतीय हिंदू नव वर्ष का अभिवादन किया जाएगा छोटे बच्चों को *हिंदू नव वर्ष* एवं *अंग्रेजी कैलेंडर* का वैदिक अंतर बताया जाएगा ताकि युवा पीढ़ी सनातन परंपरा के इस नव वर्ष को समझ सके साथ ग्रुप द्वारा घरों के छत में नव वर्ष अभिवादन हेतु भगवा ध्वज लगाने हेतु वितरित किए जाएंगे इसी श्रृंखला में 30 मार्च से भारतीय नव वर्ष चैत्र नवरात्रि श्री राम जन्मोत्सव तक मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा फलाहारी भोजन प्रसाद का वितरण जरूरतमंद व्यक्तियों को किया जाएगा मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा प्रतिदिन जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन प्रसाद का वितरण किया जाता है ग्रुप के अशोक मक्कड़ जी सिद्धार्थ गोलछा जी मोहित ठाकुर जी प्रदीप चौहान जी शैलेश मिश्रा जी विजय भारद्वाज जी मयाराम जैसवानी जी आदर्श अग्रवाल डॉ वाणी अहलूवालिया की सिद्धेश्वरी सराफ जी राहुल केसरवानी श्याम रजक अशोक गुप्ता संजय कोहली राजेश रजक प्रणव अवस्थी दुर्गा कमल बिजेंदर जैन सुरेंद्र सिंह सुबोध जैन अमित गुप्ता शशिकांत प्रदीप जैन अविनाश महावर विक्रम सिंह ठाकुर लकी पासी हनी सेन राहुल कश्यप शैंकी रजक आकाश पासी राहुल कनौजिया बंटी कोहली अमरदीप जी अंशुल सोनकर शिव शंकर गुप्ता नीतू साहू द्वारा घरों में ध्वजा वितरण कर नव वर्ष अभिवादन किया जाएगा।

ये जगह है धन कुबेर का स्थान, दुकान या फैक्ट्री में यहीं बनाएं कैश काउंटर

मिलेगा राजा जैसा सुख

व्यापार करने वालों को वास्तु का खास ध्यान रखना चाहिए। वास्तु में बताई गई बातों का पालन करके आप अपने व्यापार में ढेर सारा लाभ हासिल कर सकते हैं। अगर आप व्यापार के लिए नया प्लॉट ले रहे हैं या आपकी दुकान, फैक्ट्री आदि है तो कैश काउंटर रखने से लेकर खुद के बैठने की कुर्सी के स्थान तक के वास्तु टिप्स जानिए। वास्तु शास्त्र में धन की देवी माता लक्ष्मी और कुबेर महाराज को प्रसन्न करने के उपाय बताए गए हैं। खासकर बिजनेस करने वालों को वास्तु का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इससे उनके व्यापार में आने वाली बाधाएं न सिर्फ दूर होती हैं, बल्कि दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ोतरी भी होती है। कर्मचारी बातें मानते हैं। आपकी व्यापारिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होती है। इसलिए व्यावसायिक कार्यों के लिए प्लॉट लेते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी है। साथ ही किस जगह कैश काउंटर बनाने से आपका व्यापार समृद्ध होगा और इसे कहां स्थापित करना चाहिए, विस्तारपूर्वक जानिए।

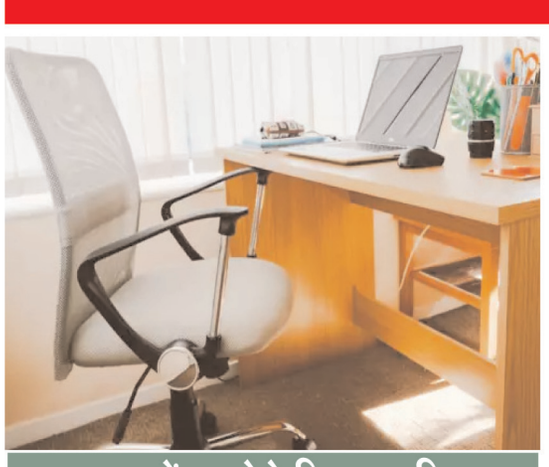

व्यापार में फायदे के लिए वास्तु टिप्स

अगर आप कारोबार करते हैं और अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नया प्लॉट खरीदने जा रहे हैं तो आपको इन बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए-

आयताकार या वर्गाकार प्लॉट सर्वश्रेष्ठ माना जाता है
अगर आयताकार प्लॉट ले रहे हैं तो इसका अनुपात 1ः2 से ज्यादा न हो
प्लॉट के दक्षिण-पश्चिम हिस्से की सतह ऊंची हो
ज्यादा से ज्यादा निर्माण दक्षिण-पश्चिम हिस्से में कराएं
उत्तर-पूर्व हिस्से को खुला छोड़ दें और इसकी सतह नीचे रखें

मां लक्ष्मी की दिशा है उत्तर-पूर्व

मान्यता है कि ईश्वर, गंगा और माता लक्ष्मी का निवास उत्तर-पूर्व दिशा में है। ऐसे में उत्तर-पूर्व की ओर ढलान होने और इस खुले स्थान पर पानी भरे रहने से व्यापार में धन की आवक बनी रहती है। धन लक्ष्मी बढ़ती जाती है। यही नहीं इस तरह के वास्तु उपाय से कम मेहनत में ज्यादा फल की प्राप्ति होती है। बिजनेस करने वालों की किस्मत चमक जाती है। अगर आप प्लॉट लेकर निर्माण कार्य करवा रहे हैं तो उत्तर-पूर्व दिशा में अंडरग्राउंड टैंक, स्विमिंग पुल, तालाब आदि बना सकते हैं। यही नहीं जिन लोगों के व्यापार में परेशानियां आ रही हैं वे भी इसके अनुसार वास्तु सुधार कर सकते हैं। इससे व्यापार में विवाद और कर्ज आदि की दिक्कतें भी दूर होती हैं।

दक्षिण-पश्चिम स्थान को रखें ऊंचा

व्यावसायिक प्लॉट में उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफ निर्माण नहीं करवाना चाहिए। इससे व्यापार में रुकावट, आर्थिक परेशानियां, कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। इसलिए उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व दिशा को ज्यादा से ज्यादा खाली और खुला रखना चाहिए। यहां पानी की आवाजाही होने देनी चाहिए। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम स्थान की सतह और चारदीवारी को ऊंचा रखना चाहिए। इससे व्यावसायिक स्थल पर शांत और खुशहाल वातावरण रहता है। मालिक का अपने कर्मचारियों पर नियंत्रण रहता है। वह राजा जैसा सुख प्राप्त करता है।

मालिक को किस तरफ बैठना चाहिए

दुकान हो या फैक्ट्री, मालिक को दक्षिम पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए। इसे नैऋत्य दिशा भी कहते हैं। मालिक इस तरह बैठे कि उसका चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर हो। अगर पूर्व मार्ग की तरफ दुकान या फैक्ट्री है तो मालिक को उत्तर की तरफ चेहरा रखना चाहिए। अगर पश्चिम मार्ग की तरफ दुकान या फैक्ट्री है तो दक्षिण की तरफ चेहरा किया जा सकता है और दक्षिण मार्ग पर प्लॉट हो तो दक्षिण पश्चिम में पूर्व की ओर चेहरा रखकर बैठना चाहिए। हालांकि अगर दुकान में ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं तो दक्षिण या नैऋत्य दिशा की ओर चेहरा नहीं करना चाहिए। बल्कि दक्षिण पश्चिम में उत्तर या पूर्व की ओर चेहरा रखना चाहिए।

कैश काउंटर कहां रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कैश काउंटर वर्गाकार या आयताकार रखना बेहतर होता है। कैश काउंटर को उत्तर दिशा से ईशान तक कहीं भी बना सकते हैं। मध्य उत्तर को कुबेर का स्थान माना जाता है। ऐसे में इधर कहीं भी कैश काउंटर बनाया जा सकता है। अगर कैश काउंटर पर चेहरा उत्तर या ईशान की तरफ होना सबसे अच्छा माना जाता है। कैश काउंटर को अन्य सभी सामानों के काउंटर से ऊपर रखना चाहिए। इसे खोलते और बंद करते समय कर्कश आवाज नहीं आनी चाहिए।

व्यावसायिक स्थान पर ये तस्वीरें न लगाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बिजनेस करने वाली जगहों पर कभी भी दुखी, रोते हुए या आंख बंद किए गए लोगों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। इसी तरह सूअर, बाघ, खरगोश, बगुला, उल्लू, सांप, सियार जैसे जानवरों की तस्वीरें लगाने से भी बचना चाहिए। खतरनाक या दीन-हीन हालात वाली आकृतियां लगाने से परहेज करें। इसकी जगह आप अपने व्यापार से जुड़े ख्याति प्राप्त लोगों, अपने प्रेरणा स्रोतों की तस्वीर लगा सकते हैं। तस्वीर अपनी कुर्सी के पीछे दीवार पर या किसी उचित जगह लगा सकते हैं।

लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान ज्यादातर लोग कर बैठते हैं ये 4 गलतियां

लड्डू गोपाल की सेवा करते समय आपको कुछ गलतियों से बचना चाहिए। आप अगर ये गलतियां करते हैं, तो आपको लड्डू गोपाल की सेवा का पूरा फल नहीं मिल पाएगा। इन गलतियों को ज्यादातर लोग कर बैठते हैं। आइए, जानते हैं लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़ीं गलतियां। लड्डू गोपाल श्रीकृष्ण का बाल रूप है। बाल गोपाल की पूजा करने से जीवन में सुख और समृद्धि आती है। लोग अक्सर घरों में लड्डू गोपाल के बाल रूप की पूजा करते हैं। लड्डू गोपाल की सेवा एक बच्चे की तरह ही की जाती है। यदि आप उन्हें घर में रखते हैं, तो आपको कुछ खास नियमों का पालन करना होगा। समय-समय पर उनकी पूजा और जीवनशैली में बदलाव भी करना चाहिए। कुछ लोग लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं, जिनसे बचने की जरुरत है। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वे गलतियां।

लड्डू गोपाल को जल्दी न उठाएं

जिस तरह बच्चों की नींद का ख्याल रखते हैं, उसी तरह लड्डू गोपाल की नींद का भी ख्याल रखना चाहिए। लड्डू गोपाल को सुबह कब उठाना है, यह मौसम पर निर्भर करता है लेकिन फिर भी इसके लिए कोई तय नियम नहीं है लेकिन आपको इस बात का ख्याल भी रखना चाहिए कि आपने लड्डू गोपाल को कब सुलाया है। उन्हें अगर थोड़ी और नींद की जरूरत है, तो आप उन्हें थोड़ी देर बाद उठा सकते हैं।

लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर न जाएं

आपने अपने घर के आसपास देखा होगा कि लोग लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर जाते हैं। फिर चाहें, वो बाजार जा रहे हो या फिर किसी शोर-शराबे वाली पार्टी में, लेकिन यह सबसे बड़ी गलती है। लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर जाने से बचना चाहिए। इससे लड्डू गोपाल को परेशानी हो सकती है।

लड्डू गोपाल के लिए रात में पानी जरूर रखें

जिस तरह हमें रात में प्यास लगती है, उसी तरह लड्डू गोपाल को भी लग सकती है। अगर उन्हें रात में प्यास लगे, तो वे खुद से पानी पी सकते हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि जब आप उन्हें सुलाकर आएं, तो उनके पास पानी का बर्तन जरूर रखें। कई लोग लड्डू गोपाल के पास रात में पानी नहीं रखते।

लड्डू गोपाल के रात में कपड़े जरूर बदलें

कई लोग लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद जो कपड़े पहनाते हैं, उसे रात तक लड्डू गोपाल को पहनाए रखते हैं लेकिन ऐसा करना सबसे बड़ी गलती है। लड्डू गोपाल के कपड़े रात के समय जरूर बदलें। रात के समय लड्डू गोपाल को मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष मेष- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप लोगों पर को अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहेंगे। आपका विश्वास मजबूत रहेगा। यदि आपको काम को लेकर कुछ चुनौतियां आ रही थी, तो उनका भी आप डटकर सामना करेंगे। आप अपने माता-पिता से कुछ जरूरी कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं, जिसमें वह आपकी पूरी मदद करेंगे। पारिवारिक समस्याएं आज दूर होंगी और आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

वृषभ वृषभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने कामों से आज लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों आप पूरा साथ देंगे। आपको अपनी सेहत को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन मिथुन- आज का दिन आपके लिए कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपसे कार्यक्षेत्र में गड़बड़ी हो सकती है, इसलिए जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें और कामों को किसी दूसरे के भरोसे ना छोड़ें। आपकी संतान आज आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको कोई पुरस्कार मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य को रिटायरमेंट मिल सकता है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा।

कर्क कर्क- आज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में ध्यान देने के लिए रहेगा। आपकी कोई डील फाइनल होते-होते लटक सकती है। आपको अपने बिजनेस को आगे ले जाने को लेकर कुछ योजनाएं बनाने की आवश्यकता है। आपकी संतान को कोई नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपके पिताजी कोआपकी कोई बात बुरी लग सकती है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

सिंह सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने अनुभवों का पूरा लाभ मिलेगा। आप यदि किसी काम को लेकर समझदारी दिखानी होगी, तभी वह आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको सिरदर्द की समस्या हो सकती है। आप अपने घर पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। यदि आपको कुछ उलझनें चल रही थी, तो वह भी दूर होंगे। आपका कोई लेन-देन से संबंधित मामला आपको परेशान करेगा।

कन्या कन्या- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको किसी नई प्रॉपर्टी की प्राप्ति हो सकती है। कानूनी मामलों में आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप उसमें ढील देंगे, तो वह बढ़ सकती है। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था,तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं। आपको अपने भाइयों की कोई बात बुरी रख सकती है।

तुला तुला- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको नौकरी को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठाना पड़ सकता है। युवा जातक अपने क्रिएटिविटी को दिखाकर कार्यक्षेत्र में अपने बॉस को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से आपके कुछ का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात को कहने का मौका मिलेगा। आपको कोई पुराना लेनदेन सुलझता दिख रहा है।

वृश्चिक वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिए कमजोर रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं, जिनके लिए आपको अपनी आंख व कान खुले रखने होंगे। कार्यक्षेत्र में आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आपको किसी डील को फाइनल करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल करनी होगी, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है।

धनु धनु- आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। यदि आप नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, तो आपकी परीक्षा पूरी हो सकती है। आपका कोई वाद विवाद सुलझ सकता है। आपको किसी से कोई बात सोच समझकर कहानी होगी। आपको कोई अच्छा मौका हाथ लग सकता है। आपको अपने कामों को लकर अपने किसी मित्र से मदद देनी पड़ सकती है। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या चल रही है तो उसके लिए आप किसी अच्छा डॉक्टर से परामर्श लेनी होगी, नहीं तो उसके बढ़ाने की संभावना है।

मकर मकर- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको वाहन चलाते समय सावधान रहने की आवश्यकता है। यदि आपकी कोई डील लंबे समय लटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है। आपको यदि किसी प्रकार की कोई समस्या चल रही थी तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ कुंभ- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप यदि शुगर व थायराइड से परेशान है, तो आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें। आप अपने घर कोई सुख सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। संतान पर भी आप कुछ जिम्मेदारी देंगे। विद्यार्थी यदि पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उन्हें कोई अच्छी सफलता मिल सकती है। आपको अपने बेफिजूल के खर्चों पर लगाम लगाने की आवश्यकता है,

मीन मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने के लिए रहेगा। आपको कामों में प्रमोशन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। संतान के विवाह में यदि कोई उलझन आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अपनी शौन शौकत की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

दो भागो में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? निर्माता नागा वामसी ने बताया सच

विजय देवरकोंडा अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। अब यह फिल्म एक और वजह से चर्चा में बनी हुई है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि किंगडम को दो भागों में बनाया जाएगा, लेकिन अब फिल्म के निर्माता नामा वामसी ने आखिरकार इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

फिल्म को लेकर बोले नागा वामसी

नामा वामसी ने इन खबरों की पुष्टि करते हुए कहा है कि फिल्म के दो भागों में आने की संभावना है। हाल ही में फिल्म निर्माता की आगामी तेलुगु फिल्म मैड स्क्वायर के प्रचार के दौरान नागा वामसी ने रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा, हमने कहानी को केवल दो-भाग की फ्रेंचाइजी बनाने के लिए नहीं बढ़ाया। फिल्म में दो भागों में रिलीज होने की गुंजाइश और पैमाना है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

उन्होंने आगे कहा कि किंगडम स्क्रीनप्ले, लॉजिक, भव्यता और एक्शन के मामले में सभी कसौटियों पर खरा उतरता है। सीक्वल का शीर्षक, चाहे वह किंगडम स्क्वायर हो या किंगडम पार्ट 2, पहले भाग के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन और रेंज के आधार पर चुना जाएगा। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल 30 मई को रिलीज होने वाली है। इसमें भाग्यश्री बोरसे और सत्यदेव जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

किंगडम का एआई-जनरेटेड वीडियो

मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत तैयार किया। नवीन नूली ने संपादन विभाग संभाला और यानिक बेन, चेतन डिसूजा और रियल सतीश ने स्टंट कोरियोग्राफर के रूप में काम किया। हाल ही में, विजय देवरकोंडा अभिनीत इस फिल्म ने अपने संगीत के लिए पूरी तरह से एआई डिजाइन किए गए वीडियो का उपयोग करने वाली पहली फिल्म के रूप में इतिहास बनाया। निर्माताओं ने किंगडम का एक पूरी तरह से एआई-जनरेटेड थीमैटिक वीडियो जारी किया, जिसे प्रशंसकों और प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

कीर्ति सुरेश के हाथ लगी नई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म! नए अवतार में नजर आएंगी

कीर्ति सुरेश ने वरुण धवन के साथ बेबी जॉन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। वहीं, अब अभिनेत्री की नई फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबर है कि वह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

नए अवतार में नजर आएंगी अभिनेत्री

हालांकि कीर्ति की नई फिल्म पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अभिनेत्री को एक अनटाइटल्ड रोमांटिक-कॉमेडी प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया है। फिल्मफेयर के अनुसार, फिल्म के निर्माता कीर्ति सुरेश के साथ काम करने के इच्छुक हैं। अगर बातचीत सफल होती है तो फिल्म में एक नए अवतार में नजर आएंगी। अभिनेत्री एक ऐसे किरदार में नजर आएंगी जो मजेदार और मनोरंजक है।

कलाकारों के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई

निर्माता फिलहाल शीर्षक, कहानी और कलाकारों के नामों को गुप्त रख रहे हैं। कीर्ति के पास दो रोमांचक तमिल प्रोजेक्ट भी हैं- रिवॉल्वर रीटा और कन्निवेदी। बेबी जॉन की बात करें तो यह इंस्पेक्टर सत्या वर्मा (वरुण धवन) की कहानी है, जिसे बेबी जॉन के नाम से जाना जाता है। सत्या अपनी बेटी खुशी (जारा ज्याना) और अपने पुराने दोस्त राम सेवक (राजपाल यादव) के साथ केरल में एक शांतिपूर्ण जीवन जीता है। हालांकि, उसकी शांत जिंदगी में तब बदलाव आता है जब खुशी की शिक्षिका, जिसका किरदार वामिका गब्बी ने निभाया है, एक उग्र और निर्दयी इंस्पेक्टर के रूप में उसकी छिपी हुई पहचान को उजागर करती है।

फिल्म की कहानी

यह कहानी दर्शकों को छह साल पहले ले जाती है, बेबी जॉन शादीशुदा था और बाबर शेर (जैकी श्रॉफ) के खिलाफ लड़ रहा था, जो युवा महिलाओं का शोषण करने वाला एक शक्तिशाली व्यक्ति है। कहानी तब शुरू होती है, जब बेबी जॉन अपनी पत्नी मीरा (कीर्ति सुरेश) के लिए न्याय चाहता है और शोषण और भ्रष्टाचार से लड़ने की यात्रा पर निकलता है।

एक्शन छोड़ मध्यम वर्गीय परिवार की कहानी लेकर आएंगे सनी देओल बनेंगे फैमिली मैन

अपने एक्शन से दुश्मनों के छक्के छुड़ाने वाले अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'जाट' में भी सनी देओल जबरदस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। फिल्म के टीजर और अभिनेताओं के लुक को देखकर ये मालूम पड़ता है कि फिल्म जबरदस्त एक्शन से भरपूर होने वाली है। सनी देओल लगातार ही एक्शन फिल्म कर रहे हैं, जाट के अलावा वो 'बॉर्डर 2' में भी एक्शन करते दिखेंगे। हालांकि, अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि सनी देओल जल्द ही एक्शन से हटकर एक मध्यम वर्गीय परिवार के व्यक्ति के किरदार में नजर आने वाले हैं।

मध्यम वर्गीय परिवार के व्यक्ति की कहानी दिखाएंगे सनी

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल अब एक्शन से अलग एक फिल्म में सामान्य परिवार के सामान्य व्यक्ति की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 'सफर' नाम की यह फिल्म एक पारिवारिक फिल्म हो सकती है, जिसमें सनी देओल एक्शन से इतर नजर आएंगे। ये भी जानकारी सामने आ रही है कि मेकर्स फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने का विचार बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में कोई एक्शन नहीं है। यह मध्यम आयु वर्ग के पारिवारिक व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे पता चलता है कि लोगों की मदद करके ही खुशी मिल सकती है और वह जीवन का सही अर्थ सीखता है।

फिल्म को थिएटर की जगह ओटीटी पर रिलीज करने की सोच रहे मेकर्स

रिपोर्ट में बताया गया है कि जब निर्माताओं ने इस फिल्म को लेकर सनी देओल से संपर्क किया तो उन्हें फिल्म की कहानी काफी पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही इसके लिए हां कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म को थिएटर में रिलीज करने की बजाय, सीधे ओटीटी पर लाने का विचार कर रहे हैं। मेकर्स का मानना है कि एक मध्यम वर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती फिल्म की कहानी को सिनेमाघरों की बजाय ओटीटी पर लाना ज्यादा उचित रहेगा। मेकर्स फिल्म को इस साल के अंत तक रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

2024 में पूरी हो चुकी है शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'सफर' की शूटिंग 2024 में पूरी हो चुकी है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन बग्गा और दर्शन जरीवाला जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन शशांक उदयपुरकर ने किया है और इसका निर्माण विशाल राणा ने किया है।

विक्रम भट्ट ने बताया क्यों बनाते हैं हॉरर फिल्में?

हाल ही में निर्देशक विक्रम भट्ट अपनी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' के प्रमोशन के लिए कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट में नजर आए। यहां उन्होंने अपने आने वाली फिल्म को लेकर बात की। साथ ही अपनी हॉरर जॉनर की फिल्मों को लेकर भी बात की। इनको बनाने का असल मकसद भी बता दिया। निर्देशक विक्रम भट्ट भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताते हैं कि वह भूतों में पूरी तरह से विश्वास करते हैं। वह कहते हैं, 'भगवान हैं, इस बात को साबित करने के लिए फिल्मों में भूतों को दिखाता हूं। मेरी हॉरर फिल्में कभी भी भूतों पर नहीं थीं, वह ईश्वर को साबित करने के बारे में हैं। अगर हम लोग गीता में विश्वास रखते हैं, आत्मा में भरोसा करते हैं तो हमें पता होना चाहिए कि आत्मा भी अच्छी या बुरी हो सकती है।'

जब भूतों से जुड़ा अनुभव हुआ

आगे पॉडकास्ट में विक्रम भट्ट कहते हैं, 'जैसा हम फिल्मों में दिखाते हैं, वैसे भूत नहीं होते हैं। वह बिल्कुल सामान्य नजर आते हैं लेकिन आपको अहसास हो जाता है कि ये व्यक्ति कुछ अलग है। आप उसके आसपास से तुरंत दूर हो जाना चाहते हैं। मुझे भी भूतों का अनुभव हुआ।'

'गुलाम' के बाद अब बनाई ड्रामा फिल्म

फिल्म 'तुमको मेरी कसम' एक थ्रिलर ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म की कहानी काफी अलग है। विक्रम बताते हैं कि फिल्म 'गुलाम' के बाद वह अब जाकर ड्रामा फिल्म बना रहे हैं। आगे वह यह भी बताते हैं दो हॉरर फिल्में बनाने वाले हैं, जिसमें '1920' का नया पार्ट शामिल है।

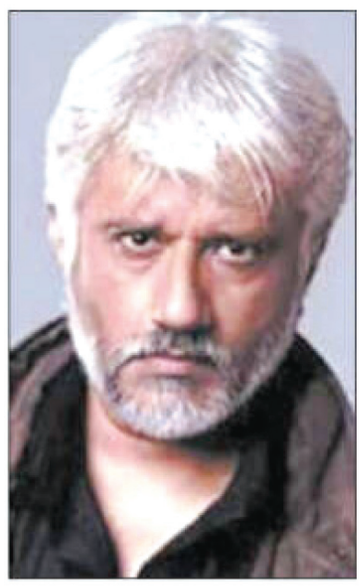

रानी मुखर्जी ने कॉमर्शियल फिल्मों से हटकर निभाए ये किरदार

रानी मुखर्जी बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट और सुपरहिट फिल्में की हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं, जिनमें से कुछ ने बड़े सामाजिक संदेश दिए और कमर्शियल मसाला फिल्मों से अलग रहे। आज जब अभिनेत्री अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं तो यहां उनके ऐसे किरदारों के बारे में जानते हैं, जो अपनी खास थीम और मैसेज के लिए जाने जाते हैं।

राजा की आएगी बारात

'राजा की आएगी बारात' साल 1997 में रिली हुई थी। यह फिल्म एक महिला के न्याय की कहानी है, जिसमें रानी मुखर्जी ने एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया, जो अपने साथ हुए अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती है।

हे राम

साल 2000 में रिलीज हुई 'हे राम' एक भारतीय ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जिसे कमल हासन ने लिखा, निर्देशित और प्रोड्यूस किया था। यह फिल्म सांप्रदायिक दंगों और हिंसा पर आधारित है। इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने भले ही छोटा किरदार निभाया, लेकिन वह काफी प्रभावशाली था।

ब्लैक

साल 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म रानी मुखर्जी ने एक दृष्टिहीन और श्रवण बाधित लड़की का रोल निभाया, जो अपनी कठिनाइयों को मात देती है। यह फिल्म हेलन केलर की वास्तविक कहानी से प्रेरित थी।

नो वन किल्ड जेसिका

2011 में रिलीज हुई यह फिल्म जेसिका लाल हत्याकांड पर आधारित थी, जिसमें रानी ने एक जिद्दी पत्रकार का किरदार निभाया, जो अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देती हैं।

अनुराग कश्यप ने की ब्रिटिश शो 'एडोलसेंस' की तारीफ, नेटफ्लिक्स इंडिया को बताया भ्रष्ट और बेईमान

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आई नई वेब सीरीज 'एडोलसेंस' लगातार प्रशंसा बटोर रही है। इसको देखने के बाद बड़े से बड़े निर्माता-निर्देशक भी इसके फैन बन जा रहे हैं। अब 'एडोलसेंस' के प्रशंसकों में एक नाम और जुड़ गया है बॉलीवुड के खुदरंग निर्देशक अनुराग कश्यप का। अनुराग कश्यप ने जैक थॉर्न और स्टीफन ग्राहम द्वारा निर्मित ब्रिटिश मिनीसीरीज एडोलसेंस की प्रशंसा की है। यह सीरीज एक 13 साल के लड़के की कहानी है, जिस पर हत्या का आरोप है। सीरीज की खासियत ये है कि इसके हर सीन को एक ही बार में फिल्माया गया है। सीरीज को लगातार सराहना मिल रही है। शेखर कपूर और हंसल मेहता जैसे दिग्गज फिल्ममेकर के इस सीरीज की तारीफ करने के बाद अब अनुराग कश्यप ने भी 'एडोलसेंस' की प्रशंसा की है। सीरीज को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में अनुराग लिखते हैं, अभी-अभी एडोलसेंस को एक बार में ही पूरा देखा। मैं हैरान हूं और मुझे ईर्ष्या हो रही है कि कोई ये कैसे बना सकता है। बाल कलाकार ओवेन कूपर और स्टीफन ग्राहम, जो न सिर्फ पिता की भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि शो के सह-निर्माता भी हैं, उन्होंने कितना शानदार अभिनय किया है। इस पूरे शो में काफी मेहनत की गई है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि उन्होंने कितनी रिहर्सल और तैयारी की होगी, ताकि वो हर एपिसोड को एक ही शॉट में शूट कर सकें। सिनेमैटोग्राफर मैथ्यू लुईस और फिल्म निर्माता फिलिप बैरेंटिनिनी कितने प्रतिभाशाली हैं। यह किसी भी फिल्म या मेरी अब तक की देखी हर चीज से बेहतर है। इसमें समय लगता है, यह एक भी बारीकियों को न चूकने का साहस है। सह निर्माता जैक थॉर्न और पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। एक बेहतरीन टीम और दृढ़ संकल्प के बिना इसे पूरा करना संभव नहीं है।

नेटफ्लिक्स पर लगाया दोहरे मानकों का आरोप

'एडोलसेंस' की तारीफ के साथ-साथ अनुराग कश्यप ने भारत में बनाए जाने वाले कंटेंट को लेकर नेटफ्लिक्स के नजरिए की कड़ी आलोचना की। अपनी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अनुराग ने नेटफ्लिक्स के शीर्ष अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए उन पर दोहरे मानकों का आरोप लगाया। अनुराग कश्यप ने लिखा, हाल ही में टेड सारंडोस ने एक पोस्ट डाली, जिसमें उन्होंने कहा कि कभी-कभार कोई न कोई ऐसी फिल्म आती है जो नए अनुभव कराती है, रचनात्मकता की सीमाओं को चुनौती देती है और करियर को बयान करने वाली परफॉर्मेंस देती है। मुझे उम्मीद है कि वह ऐसा ही कह रहे हैं। क्योंकि नेटफ्लिक्स इंडिया पर उनका शो बिल्कुल उल्टा है। यदि उन्हें यह प्रस्ताव दिया जाता तो संभवतः वे इसे अस्वीकार कर देते या इसे 90 मिनट की फिल्म में बदल देते। हालांकि, यह भी असंभव लगता है, क्योंकि इसका अंत काला और सफेद नहीं है।

भारत में सिर्फ सब्सक्राइबर बढ़ाना ही नेटफ्लिक्स का उद्देश्य

नेटफ्लिक्स इंडिया पर आगे निशाना साधते हुए निर्देशक कश्यप ने कहा, सेक्रेड गेम्स के बाद दो बार उनसे सामना हुआ और सहानुभूति, साहस व मूर्खता की पूरी कमी के साथ-साथ सीरीज के प्रमुख और टीम की ओर से हद से अधिक असुरक्षा की भावना भी रही, जिन्हें बार-बार नौकरी से निकाला जाता रहा। यह मुझे निराश करता है। हम सबसे बेईमान और नैतिक रूप से भ्रष्ट नेटफ्लिक्स इंडिया का एक समूह जिसे लॉस एंजिल्स में बॉस का बहुत मजबूत समर्थन प्राप्त है, उसके साथ इतना शक्तिशाली और ईमानदार कुछ कैसे बना सकते हैं। टेड और बेला का यह पाखंड 140 अरब लोगों के भारतीय बाजार के संबंध में है, जहां केवल सब्सक्राइबर बढ़ाना ही एकमात्र उद्देश्य है और कुछ नहीं। अनुराग कश्यप ने आगे पुराने वक्त को याद करते हुए कहा, एक समय था जब एरिक बार्मेक नेटफ्लिक्स के साथ कुछ बनाने के लिए फेसबुक पर पहुंचते थे, पर अब वे आपको 'सारे जहां से अच्छा' जैसा शॉट शो भेजते हैं, जो ठीक से लिखा भी नहीं गया होता है और आधा-अधूरा होता है। यह सब मुझे एडोलसेंस जैसे शो के प्रति निराश और ईर्ष्यालु कर देता है। मुझे उम्मीद है कि वे इसे मिल रही प्रशंसा से सीखेंगे।

नवरात्र में वुमन सिक्युरिटी को लेकर पुलिस अलर्ट

चिन्हित मंदिरों में सुबह 4 बजे से तैनात होगी पुलिस

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चेत्र नवरात्र पर्व पर महिला सुरक्षा के साथ चोरी, लूट एवं अन्य वारदातों को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक एसपी सम्पत उपाध्याय ने पूरा खाका तैयार कर लिया है। नवरात्र पर्व में सुबह 4 बजे से पैदल मंदिर जाने वाली महिलाओं/ युवतियों की सुरक्षा के लिए रात्रि व प्रभात गश्त बढाई जाएगी। एक दर्जन से अधिक थाना क्षेत्रों में फिक्स प्वाइट पर पुलिस बल, रात्रि गश्त में थाना प्रभारी सहित 3 से 4 संभागीय अधिकारी तैनात करने की तैयारी है। पुलिस अधिकारियों की मंशा है कि सड़कों पर आमजनता को रात दिन 'पुलिस' दिखना चाहिए, पुलिस सड़क पर होगी तो अपराधियों में खौफ बना रहेगा। 30 मार्च से शुरू होने वाले नवरात्र पर्व में महिलाएं, बच्चे सुबह से देर रात तक सड़कों पर दर्शन के लिए रहते हैं। सड़क पर किसी भी महिला या आमजन के साथ कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए

29 मार्च से 'पुलिस बल' जगह-जगह तैनात किया जाएगा। सूनसान मार्ग व कॉलोनियों में पुलिस वाहन लगातार गश्त पर रहेंगे। थाना प्रभारी क्षेत्र में मंदिर समिति के सदस्यों सहित तैनात वालेंटियरों से संपर्क बनाकर रखेंगे,ताकि कहीं कोई गड़बड़ी न हो।

बड़े मंदिरों के पास महिला पुलिस की तैनाती

शहर के बड़े और प्रतिष्ठित मंदिर बड़ी खेरमाई,बूढी खेरमाई, छोटी देवन, बग्लामुखी मंदिर, शीतलामाई, शारदा माता मंदिर मदन महल, सदर काली मंदिर, त्रिपुर सुंदरी, गौतम जी की मढिया, छोटी खेरमाई, जय मातेश्वरी मंदिर, पंडा की मढिया सहित बरेला शारदा मंदिर में सुबह करीब 4 बजे से जल लेकर जाने वाली महिलाओं/युवतियों की सुरक्षा के लिए मंदिर के आसपास महिला पुलिस बल तैनात करने की तैयारी महकमें में चल रही है।

सीसीटीवी कैमरों से रखी जाएगी नजर

9 दिनों तक चिन्हित भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस अपने सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर जगह नजर रखी जाएगी। 10 दिनों तक 24 घंटे 2 से 3 अधिकारी पुलिस कंट्रोल रूम में इन कैमरों के फुटेज पर नजर रखेंगे। भीड़ में पुलिस बल सादे लिबास में चोर एवं जेबकतरों पर नजर रखेगी। विवाद या झगड़े की सूचना मिलने पर संबंधित थाना की पुलिस को विदिन 5 मिनट में मौके पर पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

गलत पार्किंग पर चालानी कार्रवाई

मंदिरों के आसपास वाहनों के गलत तरीके से पार्क करने पर इस बार यातयात पुलिस भी सक्रिय होकर समझाइश सहित चालानी कार्रवाई करेगी। बड़े व प्रतिष्ठित मंदिरों के आसपास लोडिंग वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंध करने का प्लान तैयार हो रहा है। संबंधित थाना पुलिस के साथ ट्रेफिक पुलिस का अमला मंदिरों के आसपास लगने वाले जाम पर सुबह से रात तक नजर रखेगा। कॉलोनियों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों के चिन्हित दुर्गा मंदिरों के आसपास होने वाली पार्किंग को व्यवस्थित करने के लिए मंदिर समिति के पदाधिकारियों से संबंधित थाना पुलिस चर्चा कर रही है।

मायके से 1 लाख व बाइक मंगाने प्रताड़ित कर रहा पति

पति, सास, ससुर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शादी के बाद मायके से नगदी और बाइक लाने के लिए पति सहित ससुराल वालों ने प्रताड़ित करते हुए घर से निकाल दिया। पीड़ित नवविवाहिता की शिकायत पर मझगवां पुलिस ने पति, सास और ससुर के विरूद्ध धारा 85, 3(5) बीएनएस तथा 3, 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले को विवेचना में लिया है। मझगवां पुलिस ने बताया कि प्रतिभा पटैल 29 वर्ष निवासी ग्राम मझगवां ने अपनी शिकायत में बताया है कि उसका मायका ग्राम भटुली में हैं। 18 मई 2019 को उसकी शादी मझगवां निवासी राजेंद्र पटैल के साथ हिन्दू रीति रिवाज से हुई थी। शादी के समय मेरे माता पता ने अपनी सामर्थ अनुसार गृहस्थी का सारा सामान दिया था। शादी के कुछ माह बाद से पति राजेंद्र पटैल, ससुर राममिलन पटैल, सास रामकली बाई पटैल दहेज में मोटर सायकल नहीं देने की बात पर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। ससुराल में हो रही प्रताड़ता से संबंधित उक्त बातें मायके में बताई थीं, तो माता-पिता समझाते थे कि धीरे धीरे सब ठीक हो जाएगा। लगभग एक साल पहले पति, सास, ससुर ने मायके यह कहकर भेज दिया एक लाख रुपए और मोटर सायकल लेकर आओगी तभी साथ में रखेंगे।

मारपीट करने पर पति पर प्रकरण

रांझी पुलिस ने बताया कि रश्मि गिरी 33 साल निवासी तुलसीनगर मानेगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी साल 2018 में तुलसीनगर मानेगांव निवासी ऋषि पुरी गोस्वामी से हिन्दू रीति रिवाज से हुई थी, शादी के बाद से ही पति शराब पीकर आए दिन मारपीट कर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। 2 दिन पहले रात में गिलास मांगने की बात पर मारपीट की, जिससे आंख में चोट आ गई। पुलिस आरोपी पति के विरुद्ध अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है।

बिना एनओसी कबाड़ में कट रहे वाहन, कोई देखने वाला नहीं!

सड़क एवं परिवहन टैक्स से बचने मोटर मालिक खुद बेच रहे पुराने वाहन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चोरी के छोटे, लग्जरी एवं हैवी वाहनों को चंद पल में टुकड़े-टुकड़े कर देने वाले कबाड़ियों की गैंग एक बार फिर शहर में सक्रिय होकर कार्य कर रही है। परिवहन विभाग की बगैर एनओसी के कोई भी वाहन कबाड़खाने में मिला या फिर कटे हुए वाहन की आवश्यक जानकारी न होने पर कबाड़ियों पर एफआईआर दर्ज करने का नियम सिर्फ कागजों तक ही है। कबाड़खानों में क्या चल रहा है, कौन सा वाहन कट रहा इसे देखने वाला कोई नहीं है। इधर कबाड़ियों ने वाहन काटने के लिए नया तरीका अपना लिया है। कबाड़ी कबाड़खाना में वाहन न काटकर इधरउ धर वाहनों के पार्टस खोलकर टुकड़े-टुकड़े कर रहे हैं। चोरी हुए सैकड़ों वाहनों का सुराग न मिलने पर करीब 1 साल पहले शहर एवं देहात के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में स्क्रेप का काम करने वालों की पूरी कुंडली तैयार करने के निर्देश दिए थे। पुलिस अधिकारियों ने कबाड़ियों से चर्चा करते हुए कहा कि कबाड़ में कटने वाले हर वाहन की पूरी जानकारी रजिस्टर में अंकित करना होगी। बेलबाग-ओमती थाना क्षेत्र में कबाड़ियों पर कसी आंशिक नकेल के बाद कबाड़ माफिया अधारताल एवं बायपास क्षेत्र में चोरी छिपे वाहन काट रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक प्रतिवर्ष औसतन 500 से अधिक वाहन चोरी हो जाते हैं, चोरी की एफआईआर होने के बाद संबंधित पुलिस इनकी बरामदगी के लगातार प्रयास करती है,लेकिन चोरी के ज्यादातर वाहन मिलते ही नहीं।

टैक्स न भरने की स्थिति में कटे पुराने वाहन

कबाड़ में केवल चोरी के वाहन ही नहीं बल्कि ऐसे वाहन भी कटने के लिए पहुंचते हैं, जिनका टैक्स लाखों में बकाया होता है। ऐसे वाहनों में सर्वाधिक तादाद ट्रक, मिनी ट्रक, जीप, पिकअप, ऑटो की होती है। कई वर्षों तक टैक्स जमा किए बिना ही सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों पर लाखों रुपए का टैक्स चढ जाता है। तब वाहन मालिक भी औने-पौने दामों में वाहन को कबाड़ियों को बेच देते हैं। नियमानुसार कबाड़ी वाहन मालिक से बैंक ऋण संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र, आरटीओ द्वारा दिया गया अनापत्ती प्रमाणपत्र और रजिस्ट्रेशन समाप्ति संबंधी प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों कि पुष्टि करने के बाद ही गोदाम परिसर में वाहनों का प्रवेश करा सकते हैं।

अस्पताल में ड्रेसर से ही कर दी अभद्रता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सिविल लाइन थानाक्षेत्र में रत्नेश जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे इंदिरा मार्केट स्थित केंद्रीय जेल रेल चिकित्सालय में ड्रेसर है। सोमवार की दोपहर

जब वे ओपीडी स्थित ड्रेसिंग रुम गए तो वहां मौजूद एक व्यक्ति ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर पहले तो अभद्रता की बाद में धक्का देकर नीचे गिरा दिया। वहीं दूसरे पक्ष के लोग थाने पहुंचे और उन्होंने भी अपने साथ अभद्रता होने की शिकायत की है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच शुरु कर दी है।

विजय नगर चौपाटी पर फैली गंदगी, खाद्य विभाग ने की सख्त कार्रवाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की प्रमुख व्यावसायिक और खाद्य चौपाटी विजय नगर में गंदगी और अस्वच्छता को लेकर खाद्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। लंबे समय से स्थानीय नागरिकों द्वारा मिल रही शिकायतों के बाद विभाग की टीम ने सोमवार शाम यहां औचक निरीक्षण किया, जिसमें कई अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने देखा कि कई फूड स्टॉल्स के आसपास गंदगी फैली हुई थी। कुछ दुकानदारों द्वारा खुले में खाद्य सामग्री रखी गई थी, जिससे उसमें धूल-मिट्टी और मक्खियां पड़ रही थीं। वहीं, कुछ दुकानों पर बासी और दूषित खाद्य पदार्थ भी मिले, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते थे। खाद्य सुरक्षा

अधिकारी पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में कई दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। जिन दुकानों पर सफाई संबंधी गड़बड़ियां पाई गईं, उन्हें तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए, जबकि कुछ दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए। हालांकि, दूसरी ओर कई दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कुछ दुकानदारों का कहना था कि सफाई बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन नगर निगम को भी कचरा उठाने और साफ-सफाई की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि यह निरीक्षण अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा। जिन दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया है, यदि वे तय समय में सफाई और गुणवत्ता सुधारने में असफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस निलंबन और आर्थिक दंड भी शामिल हो सकता है।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

ऑनलाइन भुगतान पर छूट और कैश काउंटर्स पर लगेगा अधिभार

नगरीय विकास एवं आवास विभाग का दोहरा मापदंड बना चर्चा का विषय

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मप्र शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा बकायादारों को अधिभार में छूट देने संबंधी एक आदेश चर्चा का विषय बना हुआ है। जारी आदेश के अनुसार के आज यानि 25 मार्च से लेकर 31 मार्च तक जो भी बकायादार संपत्तिकर, जलशुल्क की राशि ऑनलाइन जमा करेगा, उसे अधिभार नहीं लगेगा लेकिन यदि कोई बकायादा कैश काउंटर्स पर पहुंचकर बकाया राशि जमा करता है तो उसे अधिभार का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन भुगतान करने वालों को अधिभार की माफी और कैश काउंटर पर भुगतान से करने वालों से वसूली करने का यह आदेश न सिर्फ समस्त नगर पालिक निगम, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में बल्कि करदाताओं के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि साफ्टवेयर में अपडेशन भी कर दिया गया है, ऐसे में आज जो बकायादार ऑनलाइन राशि जमा कर रहे हैं, उन्हें अधिभार में रिबेट भी मिल रही है।

तकनीकी रुप से सक्षम नहीं तो लगेगी चपत

आज से 31 मार्च तक सात दिनों तक मिलने वाली छूट का लाभ ऐसे बकायादार तो उठा लेंगे जो कि तकनीकी रुप से सक्षम हैं लेकिन जो बकायादार टेक्निकली एक्सपर्ट नहीं हैं, उन्हें चपत लगना तय है। जेएमसी मुख्यालय सहित जोनों में जो बकायादार

टैक्स जमा करने पहुंचे, उनमें आज इस आदेश को लेकर आक्रोश भी देखा गया। उनका कहना है कि इस आदेश से भेदभाव झलक रहा है। उनका कहना है कि जो करदाता अपना समय और पेट्रोल लगाकर कैश काउंटर पर पहुंच रहा है उसे भी ऑनलाइन भुगतान करने वालों की तरह ही छूट देनी चाहिए, यदि ऐसा नहीं होगा तो कुछ बकायादार फिर से अपने कदम पीछे खीच लेंगे, जिससे उनका और नगरीय निकायों का नुकसान होगा। वहीं जानकारों का ऐसा भी कहना है कि डिजिटल पेमेंट को बढ़ाव देने के लिए सिर्फ ऑनलाइन भुगतान करने वालों के लिए छूट का प्रावधान है।

संभाग स्तर पर सुधारें त्रुटि

करदाताओं टैक्स संबंधी शंकाओं के समाधान के लिए डिप्टी कमिश्नर पीएन सनखेरे ने सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि सभी डीओ निर्धारित समय पर अपने कार्यालय में ही मौजूद रहें और यदि कोई करदाता लेजर में त्रुटि, डिमांड सुधार, क्षेत्रफल में गड़बड़ी संबंधी शिकायतें लेकर पहुंचता है तो संभाग स्तर पर ही सुधार करे ताकि उन्हें ज्यादा परेशान न होना पड़े।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com